देहरादून (गैरसैंण),
शुक्रवार: 1 मई 2026
वर्ष: 17
अंक: 12 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

जबलपुर के बरगी डैम में बड़ा हादसा

30 पर्यटकों से भरा क्रूज डूबा 4 शव बरामद

कई अब भी लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 15 को बचाया

भोपाल/जबलपुर (एजेंसी)। मप्र के जबलपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल बरगी डैम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां नर्मदा नदी के बैकवाटर में पर्यटकों से भरा एक क्रूज

अचानक डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 लोग सवार बताए जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, जब क्रूज नर्मदा के गहरे बैकवाटर में था, तभी अचानक मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगीं। पानी की ऊंची लहरों और तेज हवा के दबाव के कारण क्रूज अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते पानी में समा गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय नाविकों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। अब तक करीब 15 लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव दल ने 4 शव बरामद कर लिए हैं. अभी भी कुछ लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए गोताखोर और एसडीआरएफ की टीमें जुटी हुई थीं।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अचानक आए तूफान की वजह से क्रूज चालक को संभलने का मौका नहीं मिला. फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने की है।

यह रेप का मामला है गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए

- 15 साल की नाबालिग की गर्भावस्था पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय रेप पीड़िता की 30 हफ्ते की अनचाही गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने वाले अपने 24 अप्रैल के आदेश को पलटने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनाया। एम्स ने 15 वर्षीय लड़की की 30 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उपचारात्मक याचिका दायर की है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में कहा कि अगर मां को कोई स्थायी विकलांगता नहीं है तो गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। यह रेप का मामला है और

पीड़िता को जीवन भर मानसिक आघात झेलना पड़ सकता है। इसलिए अदालत ने इसे बच्ची के सर्वोत्तम हित में बताया। वहीं, एम्स ने अदालत में तर्क दिया कि अगर गर्भपात कराया जाता है तो नाबालिग मां को जीवन भर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया कि वह माता-पिता की काउंसलिंग करे और यह सुनिश्चित किया जाए कि आखिरी फैसला स्वयं उस बच्ची का ही हो। एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमें एम्स की इस उपचारात्मक याचिका का उल्लेख करना है। गर्भावस्था समाप्त करना संभव नहीं है। इससे एक जीवित शिशु पैदा होगा जिसमें गंभीर विकृतियां होंगी। नाबालिग मां को जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहेंगी भविष्य में संतान पैदा करने में सक्षम नहीं होगी। मुझे खेद है कि मैं स्वयं को संयत नहीं रख पा रही हूं।

भारत के लिए 'होर्मुज स्ट्रेट' में कोई भी प्रतिबंध नहीं

अमेरिकी धमकी के बीच ईरान बोला-आगे भी नहीं रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच फिर से बढ़ते तनाव की वजह से पश्चिम एशिया संकट में अनिश्चितताएं और बढ़ गई हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, दूसरी तरफ ईरान अपने स्टैंड से टस से मस नहीं हो रहा। लेकिन, इन्हीं अनिश्चितताओं के बीच ईरान ने भारत को फिर से भरोसा दिलाया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके जहाजों के लिए उसकी ओर से कोई रोक नहीं है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथाली ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर भयानक हमले की धमकियों के बीच फिर से दावा किया है कि भारतीय व्यापारिक जहाजों और तेल-गैस के टैंकरों के लिए होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से खुला हुआ है। मोहम्मद फथाली ने एक इंटरव्यू में यह दावा किया है।

भारत को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की प्रक्रिया भविष्य में भी – इस इंटरव्यू में ईरानी राजदूत ने कहा, हमनें कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-ईरान के

आक्रमण में जिन देशों ने भागीदारी नहीं की है, वे होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजर सकते हैं। उनके अनुसार उनका देश अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इशारों में यह बताने की कोशिश की है कि हाल के दिनों में जो रुकावटें आई हैं, वह बदले हालातों की वजह से पैदा हुई हैं। उनके अनुसार, स्वभाविक तौर पर हालात से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्ट्रेट से गुजरने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं और सभी जहाजों को उसका पालन करने की आवश्यकता है।

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद होर्मुज से नहीं निकले भारतीय जहाज- ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले शुरू होने के बाद 10 भारतीय जहाज और टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। 13 अप्रैल, 2026 को जबसे अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने के नाम पर ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की, तब से एक भी भारतीय जहाज के वहां से सुरक्षित निकलने की आधिकारिक जानकारी नहीं है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार अभी भी होर्मुज स्ट्रेट के उस पार फारस की खाड़ी में 14 भारतीय जहाज मौजूद हैं। अमेरिकी नाकेबंदी के बाद दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज से निकलने की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी सुरक्षा बलों ने उन्हें चेतावनी देकर वापस भेज दिया।

यूपी और बिहार में

आंधी-बारिश का 'आतंक'

- 18 लोगों की मौत, बांदा में पारा 45 डिग्री के पार
- राजस्थान-दिल्ली में आधे दिन लू

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46 डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक घट भी गया। दिल्ली में दोपहर बाद ओले गिरे। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में

सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। यूपी का बांदा लगातार भीषण गर्म रहा।

पीपा पुल टूटा, शादी के टेंट आंधी से उखड़े

मौसम विभाग ने पहले ही बता दिया था कि आने वाले दिन बिहार पर भारी पड़ सकते हैं। बुधवार की शाम से ऐसा होना शुरू भी हो गया। राजधानी पटना में अचानक से तेज आंधी आई। बिहार के लगभग ज्यादातर जिलों में ऐसा ही माहौल बना। इसके बाद कई जिलों में आसमानी बिजली ने भी कहर बरपा दिया। आंधी और बारिश इतनी तेज थी कि एक पीपा पुल 3 भागों में टूट गया। बिहार में मौसम के बदले मिजाज ने बुधवार को जमकर कहर बरपाया। लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत तो मिली लेकिन इसकी कीमत बिहार को चुकानी पड़ी। कई जिलों में इतनी तेज आंधी चली कि शादियों के लिए लगाए गए टेंट ही उखड़ गए। एकाध जगहों पर बिजली का खंबा ही आ गिरा। 20 जिलों मेंलोगों को हलाकान कर दिया।

मिजोरम के कई जिलों में स्कूल बंद रहे

पटना मौसम विज्ञान केंद्र से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है, इसके बाद अगले 48 घंटों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का पूर्वानुमान है। वहीं अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं। मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश में आंधी, बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वीआईपी कल्चर छोड़ जनता से संवाद करें कांग्रेस नेता

पंजाब, जेके और हिमाचल कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

राहुल ने दी सलाह, संगठन मजबूत बनाने के टिप्स भी दिए

कांगड़ा (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर के 80 कांग्रेस अध्यक्षों को ट्रेनिंग दी। राहुल गांधी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी कल्चर छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा। राहुल गांधी ने जनता से जुड़े मुद्दे

उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए।

राहुल ने जिला अध्यक्षों के साथ किया लंच

राहुल गांधी ने दोपहर डेढ़ बजे के करीब कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए। दरअसल, कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग कैंप हिमाचल के कांगड़ा में रखा गया था। इसमें तीन प्रदेशों के 80 जिला अध्यक्षों को 10 दिन तक ट्रेनिंग दी गई। आज ट्रेनिंग कैंप खत्म हो गया है। इसी तरह के कैंप कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी लगा चुकी है।

सीएम बनने के बाद ऐक्शन में सम्राट चौधरी

- सभी डीएम-एसपी से वन-टू-वन चर्चा, 10 से 2 बजे वाला दिया अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालने के बाद राज्य की प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी। गुरुवार को सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ हुई उनकी पहली औपचारिक बैठक में विकास और सुरक्षा का 'ब्लूप्रिंट' साझा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करना और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ये बैठक मुख्य रूप से औद्योगिक विस्तार, गंभीर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई और सरकारी सेवाओं को जनता तक सुगम बनाने जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित रही।

निवेशकों को मिलेगी पूरी सुरक्षा- मुख्यमंत्री ने बिहार के औद्योगिक विकास के लिए 'इंडस्ट्री हब' की योजना पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में उद्योगों के लिए जमीन और संसाधन चिन्हित करें। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में निवेश करने वाले कारोबारियों को सुरक्षा का पूरा भरोसा मिलना चाहिए। निवेशकों की मदद के लिए हर जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगा। **10-2 बजे तक कार्यालय में**

मौजूदगी- जनता और सरकार के बीच की दूरी कम करने के लिए मुख्यमंत्री ने एक बड़ा प्रशासनिक सुधार लागू किया है। उन्होंने सभी डीएम,एसपी और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ऑफिस में उपस्थित रहें।

डायल 112 सेवा को मजबूती पर जोर

कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सीएम ने पुलिस अधीक्षकों को डायल 112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्रतिक्रिया समय को कम किया जाए ताकि संकट के समय जनता को तुरंत मदद मिल सके। अपराध नियंत्रण के लिए तकनीकी निगरानी और गश्त बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में महिला सुरक्षा, विशेषकर बच्चियों के खिलाफ होने वाले गंभीर अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई करनी होगी। अनुसंधान को समय पर पूरा कर स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाई जाए। महिला थानों और हेल्पडेस्क को और अधिक संवेदनशील और सक्रिय बनाया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-न्यूक्लियर हमले से नहीं डरे
- भारत आईटी का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है। राजनाथ ने कहा- भारत आज इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए जाना जाता है जबकि पाकिस्तान को आईटी यानी इंटरनेशनल टेररिज्म का केंद्र माना जाता है।

राजनाथ बोले- आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा- सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक टर्निंग पॉइंट था, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत अब सिर्फ बयान देने वाला देश नहीं है, बल्कि सीधे कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की नीति साफ है।

बंगाल में चुनाव आयोग की सख्त रणनीति का दिखा व्यापक असर

50 साल में तीसरी बार 'शांतिपूर्ण' मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल ने 2026 के विधानसभा चुनाव में एक ऐतिहासिक मिसाल पेश की है। लगभग पांच दशकों में यह तीसरी बार है जब राज्य ने पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव देखा। इससे पहले वर्ष 1971 और 2011 के विधानसभा चुनाव में ऐसी स्थिति देखने को मिली थी। इस बार चुनाव के दौरान न केवल मतदान के दिन, बल्कि पूरे प्रचार अभियान में भी किसी प्रकार की हिंसा या जानमाल के नुकसान की घटना सामने नहीं आई। चुनाव आयोग की सख्त निगरानी और रणनीतिक फैसलों को इस सफलता का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। दो चरणों में हुए मतदान में वोटिंग प्रतिशत 92.93 फीसद रहा, जो यह

दर्शाता है कि मतदाता बिना किसी भय के मतदान केंद्रों तक पहुंचे। अगर पिछले चुनावों से तुलना करें, तो 2021 के विधानसभा चुनाव में 24 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2016 में सात लोगों की जान गई थी। इसके विपरीत, 2026 में यह संख्या शून्य रही। इतना ही नहीं, इस बार बमबाजी जैसी घटनाएं भी पूरी तरह से नदारद रहीं, जबकि 2021 में 60 से ज्यादा बमबाजी की घटनाएं दर्ज की गई थीं। **चुनाव आयोग के अधिकारियों की अहम भूमिका-** इस बदलाव के पीछे चुनाव आयोग के अधिकारियों की अहम भूमिका रही। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल, विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक एनके मिश्रा की रणनीति और प्रशासनिक नियंत्रण को निर्णायक माना जा रहा है।

अन्य राज्यों के लिए मॉडल बन सकता है यह चुनाव

इतिहास के नजरिए से देखें तो बंगाल में चुनावी हिंसा और धांधली लंबे समय से एक बड़ा मुद्दा रहा है। 1972 के चुनाव को राज्य के इतिहास का सबसे विवादित चुनाव माना जाता है, जबकि 1977 में सत्ता परिवर्तन हुआ था। हालांकि, 2026 का चुनाव इन सभी विवादों से अलग एक नई दिशा दिखाता है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न दलों के नेताओं ने भी इस चुनाव को शांतिपूर्ण मानते हुए चुनाव आयोग, प्रशासन, केंद्रीय बलों और राजनीतिक दलों सभी को इसका श्रेय दिया है। यह चुनाव आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन सकता है।

कैबिनेट बैठक में लिये गये अहम निर्णय

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनका सीधा असर परिवहन, शिक्षा, औद्योगिक विकास, वन विभाग और अल्पसंख्यक कल्याण जैसे क्षेत्रों पर पड़ेगा।

1:– परिवहन विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड मोटर यान (संशोधन) नियमावली 2026 को मंत्रीमण्डल को अनुमोदन।

मंत्रीमण्डल द्वारा परिवहन विभाग में पूर्व में सृजित पदों के सापेक्ष वर्दी निर्धारण को लेकर अनुमोदन प्रदान किया गया, जिसमें अब पुलिस विभाग के चालकों के अनुसार, प्रवर्तन चालकों का भी वर्दी का निर्धारण किया गया है।

2:– कुम्भ मेला–2027 को लेकर हरिद्वार में होने वाले स्थाई एवं अस्थाई निर्माण कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए 01 करोड़ तक के कार्यों को मेलाधिकारी द्वारा तथा 05 करोड़ तक कार्यों को आयुक्त गढ़वाल मंडल द्वारा स्वीकृत किए जाने हेतु मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। 05 करोड़ से अधिक के कार्यों में पूर्व की भांति शासन से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।

3:– उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नियमावली 2026 में संशोधन को कैबिनेट की मंजूरी

उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नियमावली

(संशोधन) 2026 के अन्तर्गत सैनिकों से संबंधित बढ़ते मामलों को देखते हुए अब जिला सैनिक कल्याण अधिकारी भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पदेन सदस्य के रूप में नामित होंगे। इसके अतिरिक्त विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क सेवा के अन्तर्गत एसेड अटैक विक्टिंग को भी शामिल करने का मंत्रिमंडल द्वारा दिया गया अनुमोदन।

4:– औद्योगिक विकास विभाग के अन्तर्गत उत्तराखंड उप खनिज परिहार नियमावली 2023 में संशोधन करते हुए पूर्व में खनिज पर निर्धारित रॉयल्टी की दर 7 प्रति कुंतल से बढ़ाकर 8 प्रति क्विंटल किए जाने का निर्णय मंत्रीमण्डल द्वारा लिया गया।

5:– पूर्व में पारित आबकारी नीति के तहत 6 प्रतिशत वैट की दरों का निर्धारण किया गया था। आबकारी नीति के अनुसार ही वाणिज्य कर विभाग द्वारा अपनी नियमावली में 6 प्रतिशत वैट की दरों के संशोधन हेतु प्रस्ताव रखा गया था, जिस पर मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया।

6:– परिवहन विभाग द्वारा 250 बस क्रय करने के प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल द्वारा दी गई अनुमति।

7:– परिवहन विभाग को पूर्व में शासन द्वारा 100 बस खरीदने की अनुमति दी गई थी। वर्तमान समय में जीएसटी के रेट 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत होने के चलते अब परिवहन विभाग को 100 की जगह 109 बस क्रय करने की अनुमति मंत्रीमण्डल द्वारा दी गई।

8:– वन विभाग के अन्तर्गत उत्तराखंड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली, 2016 के संशोधन को कैबिनेट की मंजूरी।

उत्तराखंड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली, 2016 में संशोधन करते हुए वन दरोगा के पद के लिए शैक्षिक अर्हता को इंटरमीडिएट से बढ़ाकर स्नातक किए जाने तथा वन दरोगा की आयु सीमा को 21 वर्ष 35 वर्ष करने एवं वन आरक्षी हेतु आयु सीमा 18 वर्ष से अधिकतम 25 वर्ष किए जाने का मंत्रीमंडल द्वारा अनुमति दी गई। इस संबंध में कार्मिक विभाग द्वारा पूर्व में पारित वर्दीधारी नियमावली के अनुबन्ध भी लागू रहेंगे।

9:– अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत अक्टूबर 2025 में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम 2025 को अधिसूचित किया गया था, इसमें अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता एवं संस्थानों की शैक्षिक उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने एवं अन्य कार्यों की व्यवस्था इस अधिनियम में की गई थी। इस व्यवस्था में कक्षा 01 से कक्षा 12 तक संचालित अल्पसंख्यक संस्थाओं को विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर से संबद्धता लेने का प्रावधान किया गया था।

वर्तमान में राज्य में 452 मदरसे है, जिनमें लगभग 400 से अधिक मदरसों में कक्षा 01 से कक्षा 8 तक की ही पढ़ाई कराई जाती है। इन मदरसों के अनुरोध एवं उनकी सुविधा के लिए कक्षा 01 से 8 तक के संचालन करने वाले अल्पसंख्यक संस्थाओं की संबद्धता अब जिला स्तरीय शिक्षा समिति/शासन द्वारा निर्धारित सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाएगा। कक्षा 09 से 12 तक के संचालन करने वाले अल्पसंख्यक संस्थाओं को विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर से संबद्धता लेनी होगी। इस व्यवस्था को लागू करने हेतु मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम में अध्यादेश लाने का भी अनुमोदन मंत्रीमण्डल द्वारा प्रदान किया गया।

10:– कार्मिक विभाग के अन्तर्गत विभिन्न विभागों में एकल संवर्ग में एक वर्ष के भीतर प्रतीक्षा सूची प्राप्त हो गई है तो उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाए और भविष्य हेतु एक स्पष्ट एसओपी बना ली जाए, ताकि सभी विभागों और आयोगों को इसके संबंध स्पष्टता सुनिश्चित हो सके, जिस पर मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया।

11:– मा. सवोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में रिट याचिका रजनीश कुमार पांडे व अन्य बनाम भारत सरकार में 28 अक्टूबर, 2021 को निर्णय पारित हुआ था। जिसके क्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2022 में माध्यमिक स्तर हेतु विशेष शिक्षा शिक्षकों की शैक्षिक अर्हताएं तय की गई थी, उसी के अनुसार विशेष शिक्षा शिक्षक के पदों पर भर्ती हेतु उत्तराखंड विशेष शिक्षा शिक्षक नियमावली में शैक्षिक योग्यताएं रखी गई है, जिस पर मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

उक्रांद महिला प्रकोष्ठ ने पटरी व्यापारियों की आवाज उठाई, उग्र आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। मसूरी के शहीद स्थल पर आज रेहड़ी–पटरी कमजोर वर्ग कल्याण समिति द्वारा शासन–प्रशासन, नगर पालिका अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सद्बुद्धि के लिए "बुद्धि शुद्धि यज्ञ" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान देहरादून से उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मेजर संतोष भंडारी तथा केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रमिला रावत भी शहीद स्थल पहुंचीं और हवन में आहुति दी। इस मौके पर उक्रांद नेताओं ने शासन–प्रशासन और नगर पालिका को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही रेहड़ी–पटरी से जुड़े गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। नेताओं ने आरोप लगाया कि पहले गरीबों के घर उजाड़े गए और अब उनके रोजगार पर संकट खड़ा कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने सरकार और मंत्री गणेश जोशी पर क्षेत्र के मूल निवासियों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। उक्रांद महिला प्रकोष्ठ ने कहा कि शहर का समुचित विकास तभी संभव है, जब गरीब और कमजोर वर्ग की आवाज को सुना जाए। उन्होंने पटरी व्यापारियों को आश्वस्त किया कि यदि शीघ्र कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो उत्तराखंड क्रांति दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क जाम कर धरना–प्रदर्शन करेंगे और उनके अधिकारों की लड़ाई को तेज करेंगे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन लोग घायल, एक रेफर

अल्मोड़ा। धारानौला क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम बरेली निवासी महेश सैनी, जो वर्तमान में अल्मोड़ा में रह रहे हैं, धारानौला स्थित एक बारात समारोह में शामिल होने आए थे। इसी दौरान कथित रूप से नशे की हालत में कार चला रहे चालक ने महेश सैनी समेत तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने महेश सैनी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हल्द्वानी रेफर कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों का उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल अल्मोड़ा के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार ने मामले में चालक के खिलाफ कोतवाली अल्मोड़ा में तहरीर दी है।

कफड़खान क्षेत्र में जंगल की आग पर पाया काबू

अल्मोड़ा। ताकुला रोड स्थित कपड़खान क्षेत्र के पास जंगल में लगी आग पर अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। आग तेजी से आबादी वाले क्षेत्र की ओर बढ़ रही थी, जिससे खतरे की स्थिति बन गई थी। अग्निशमन केंद्र अल्मोड़ा को सोमवार शाम करीब 5:01 बजे जंगल में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद फायर यूनिट तत्काल वाहन लेकर मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि आग कपड़खान के पास जंगल में फैली हुई है और तेजी से आगे बढ़ रही है। फायर सर्विस टीम ने वाहन के पंप से पानी की आपूर्ति कर होजरील की सहायता से आग बुझाने का कार्य शुरू किया। काफी प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और उसे आगे फैलने से रोक दिया गया। अग्निशमन कार्य पूरा होने के बाद टीम ने वाहन में जल संस्थान से पानी भरवाया और वापस फायर स्टेशन लौट गई। राहत एवं अग्निशमन कार्य में एलएफएम किशन सिंह, एफएस चालक हरीश रावत और फायरमैन प्रियांशु कुमार शामिल रहे।

शिक्षकों की स्कूल का समय बदलने की मांग

बागेश्वर। प्राथमिक शिक्षक संगठन ने गुरुवार को स्कूलों के समय में परिवर्तन की मांग की। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों ने डीएम को ज्ञापन भी सौंपा। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे को सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि जनपद की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और बढ़ती गर्मी को देखते हुए समय–सारणी में बदलाव आवश्यक है। संगठन ने यह भी कहा कि शिक्षक स्कूल के साथ–साथ जनगणना कार्य में भी लगे हुए हैं। अवकाश के बाद घर–घर सर्वेक्षण करने में उन्हें व्यावहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा दैवीय आपदा मद में थर्ड पार्टी सत्यापन के बावजूद भुगतान न होने की समस्या भी उठाई गई। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिलाया।

विकास त्यागी बने हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष

देहरादून। हिन्दू युवा वाहिनी के संगठन को मजबूती देने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व ने बड़ा निर्णय लिया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर ने विकास त्यागी की सक्रियता और निष्ठा को देखते हुए उन्हें उत्तराखण्ड का नया प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। लैंसडाउन चौक स्थित उज्ज्वल रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि विकास त्यागी के नेतृत्व में प्रदेश में संगठन नए आयाम स्थापित करेगा। अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विकास त्यागी ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर खरा उतरेंगे।

स्वच्छता ही सेवा: केदारनाथ में एक सप्ताह में जमा किया एक हजार किलो प्लास्टिक वेस्ट

ग्रीन चारधाम यात्रा के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल लाई रंग

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : केदारनाथ धाम में उमड़ती तीर्थयात्रियों की भीड़ के बीच, नगर पंचायत केदारनाथ ने धाम को प्लास्टिक वेस्ट से मुक्त रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यात्रा के पहले एक सप्ताह में ही पालिका ने करीब एक हजार किलो प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करते हुए, कॉम्पेक्ट कर लिया है। पालिका गीले कचरे के निस्तारण के लिए भी पक्के पिट बनाने जा रही है। ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खोले गए थे। यात्रा के पहले ही दिन से धाम में तीर्थयात्रियों की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ रही है, इस कारण धाम में भारी मात्रा में प्लास्टिक वेस्ट पहुंच रहा है, जिसका मुख्य कारण पानी की बोतलें हैं। हालांकि नगर पंचायत केदारनाथ इस स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही तैयार थी। इसके लिए नगर पंचायत की ओर से धाम में 3 हजार वर्गफिट क्षेत्र में मटीरियल रिकवरी फैसीलिटी स्थापित की गई है। जहां धाम में एकत्रित होने वाले प्लास्टिक वेस्ट और अन्य ठोस कचरे को जमा कर, 15 अलग-अलग श्रेणियों में

छांटा जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से प्लास्टिक वेस्ट, कांच और टिन, कपड़े जैसा कचरा शामिल होता है। यही पर नगर पंचायत की ओर से कॉम्पेक्टर मशीन भी लगाई गई है, जो बोतल आदि प्लास्टिक वेस्ट को पिचकाकर, 30 से 40 किलो की गठरी के तौर पर तैयार कर देती है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि इस तरह पहले एक हफ्ते ही करीब एक हजार किलो प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित किया जा चुका है, जिसे अब बेचा जाएगा, इससे नगर पंचायत को राजस्व की भी प्राप्ति होगी। उन्होंने बताया कि कांच, टिन सहित दूसरे वेस्ट को भी मौके पर ही जमा किया जा रहा है, बाद में इसे भी सोनप्रयाग लाकर कबाड़ के तौर पर बेचा जाएगा। नगर पंचायत की ओर से धाम में दो शिफ्ट में सुबह शाम सफाई कराई जा रही है। इसके लिए 55 सफाई कर्मी नियुक्त किए गए हैं, जबकि यात्रा मार्ग पर दूसरी संस्था द्वारा सफाई कराई जा रही है। इस कारण धाम में स्वच्छता बनी हुई है।

तीर्थयात्री कचरा इधर-उधर न डालें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ ही अपने नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री से अपील है कि वो प्लास्टिक वेस्ट या अन्य तरह का कचरा इधर-उधर न डालें।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान को 8 जोन और 21 सेक्टर में बंटा मेला क्षेत्र

हरिद्वार। बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला क्षेत्र को आठ जोन और 21 सेक्टर में विभाजित किया गया है, जहां अधिकारी स्नान समाप्ति तक लगातार ड्यूटी पर रहेंगे। गुरुवार की शाम पुलिस–प्रशासन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की अगुवाई में ऋषिकुल ऑडिटोरियम में आयोजित ब्रीफिंग में जोनल और सेक्टर प्रभारियों सहित पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स को विस्तृत दिशा–निर्देश दिए। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों का निरीक्षण कर शेष कमियों को तत्काल दूर कराएं और संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करें। चारधाम यात्रा के चलते इस बार श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहने की संभावना है। ऐसे में सभी को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहना होगा। स्नान पर्व के नोडल अधिकारी एसपी सिटी अभय सिंह ने भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही और निकासी की विस्तृत योजना साझा की। वहीं, एसपी ट्रैफिक/क्राइम निशा यादव ने भीड़ के अनुसार ट्रैफिक प्लान को समय पर लागू करने पर जोर दिया। एसएसपी ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में सड़क किनारे वाहन पार्क न हों। इसके साथ ही सीमावर्ती जनपदों से यातायात की लगातार निगरानी कर जरूरत के अनुसार वैकल्पिक रूट प्लान लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

गरुड़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जारी

बागेश्वर। विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना 28वें दिन भी जारी रहा। कार्यकर्ता वेतन वृद्धि, टेक होम राशन की नियमित आपूर्ति, बढ़ते डिजिटल वर्कलोड में कमी और रिटायरमेंट राशि बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं, लेकिन अब तक शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बताया कि फरवरी माह का मानदेय अभी तक पूर्ण रूप से नहीं मिला है, जिससे केंद्रों के संचालन पर असर पड़ रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार पर समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि टेक होम राशन समय पर और पूर्ण मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहा है। कई बार एक्सपायरी सामग्री देने की शिकायतें भी सामने आई हैं। उन्होंने ऐसे मामलों में जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रों के गैस सिलेंडर उनके निजी नाम पर दर्ज होने के कारण घरेलू और केंद्र के उपयोग में दिक्कत हो रही है, साथ ही सिलेंडरों की किल्लत भी बनी हुई है। कार्यकर्ताओं ने आधार कार्ड को केंद्र के गैस कनेक्शन से अलग करने की मांग उठाई। धरने में शामिल सुनीता गोस्वामी, आनंदी बड़सीला और पार्वती देवी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें उठा रही हैं, लेकिन उन्हें कार्रवाई की चेतावनी वाले पत्र भेजे जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी प्रकार की धमकी से डरने वाली नहीं हैं और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राशन की आपूर्ति कई बार अनियमित रहती है ।

एमडीडीए का ऋषिकेश में सख्त एक्शन, अवैध बहुमंजिला निर्माणों पर चला सीलिंग अभियान

देहरादून। मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माणों के खिलाफ एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए ऋषिकेश क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने सलान गांव और निर्मल बाग इलाके में किए जा रहे बहुमंजिला अवैध भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की। संयुक्त सचिव गौरव चटवाल और एसडीएम ऋषिकेश के निर्देशों के बाद टीम मौके पर पहुंची और एक के बाद एक निर्माणों को सील कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकर्ताओं में हड़कंप मच गया। अभियान की शुरुआत सलान गांव भगवंतपुर से हुई, जहां करन गुप्ता द्वारा बिना अनुमति बहुमंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने इसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह अवैध है और इस पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इसके बाद टीम ने निर्मल बाग ब्लॉक–बी लेन नंबर 10 में अभियान चलाया।

यहां अजय चौहान, रवि गुप्ता, विजय रावत और प्रवीन रमन समेत कई लोगों द्वारा किए जा रहे निर्माणों को सील किया गया। साथ ही सगुन शर्मा, विजय नायर, अमन नायर, विवेक नायर और अजय नायर के निर्माणाधीन भवनों पर भी कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी निर्माणों में मानचित्र स्वीकृति और निर्माण मानकों का उल्लंघन पाया गया। कार्रवाई एमडीडीए की प्रवर्तन टीम द्वारा सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, सुरजीत सिंह, अवर अभियंता मनीष डिमरी, अमित भारद्वाज, प्रवेश नौटियाल और हर्षित मौठानी की मौजूदगी में की गई।

लूट के बाद पुलिस—मुठभेड़, एक बदमाश ढेर, इंस्पेक्टर समेत तीन घायल

देहरादून। राजधानी देहरादून के प्रेमनगर क्षेत्र में बुधवार देर रात लूट की वारदात के बाद पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एक बदमाश मारा गया, जबकि थाना प्रभारी समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस कंट्रोल रूम को रात में सूचना मिली कि अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर लूटपाट की है। सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल पीड़ित देवराज ने बताया कि काले रंग की गुजरात नंबर की कार में सवार बदमाशों ने उससे दो लाख रुपये, मोबाइल, डायरी और अन्य दस्तावेज तमंचे के बल पर लूट लिए और उसे गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने तुरंत बदमाशों का पीछा शुरू किया। कुछ दूरी पर जंगल की ओर भागती संदिग्ध कार दिखाई दी। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान इंस्पेक्टर नरेश राठौर को गोली लग गई, जबकि एक बदमाश भी गोली लगने से

घायल हो गया। अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए। घायल इंस्पेक्टर, पीड़ित और घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया। उपचार के दौरान घायल बदमाश की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी देहरादून और एसपी सिटी मौके पर पहुंचे। पूरे जनपद में नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। फरार बदमाशों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

स्मैक के साथ पटेलनगर पुलिस ने दबोचा तस्कर

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने 26.80 ग्राम स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार को भी सीज कर दिया गया है। पटेलनगर कोतवाली इंचार्ज विनोद गुसाईं ने बताया कि बुधवार देर शाम लाल पुल के पास सहारनपुर रोड पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध कार को चेकिंग के लिए रोका। वाहन की तलाशी ली गई तो चालक के पास से 26.80 ग्राम स्मैक और इसे तौलने के लिए रखा गया एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ। आरोपी की पहचान पारितोष मनचंदा (35 वर्ष) निवासी बहुगुणा कॉलोनी, अजबपुर खुर्द, थाना नेहरू कॉलोनी के रूप में हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी से उसे नशा उपलब्ध कराने और खरीदने वालों की जानकारी जुटाई है।

लंढौर भू धंसाव पर कार्ययोजना तैयार, 2 मई की बैठक के बाद उपचार होगा शुरू

देहरादून। नगर पालिका परिषद ने लंढौर बाजार भू धंसाव की समस्या को दूर करने के लिए लेकर कार्य योजना तैयार कर ली है। इसका उपचार आगामी समय में किया जाएगा।नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने बताया कि मसूरी के प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा और स्थायित्व को लेकर पालिका प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। बताया कि लंढौर भू धंसाव के लिए गत 9 फरवरी 2026 और 24 अप्रैल 2026 को संबंधित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया था। विशेषज्ञों ने निरीक्षण की जानकारी दी है, जिसमें बताया गया कि हाल ही में पालिका द्वारा उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र देहरादून के विशेषज्ञों से प्रभावित स्थल का पुनः निरीक्षण करवाया गया। निरीक्षण की विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट पालिका को प्राप्त हो चुकी है। बताया कि रिपोर्ट के आधार पर आगे की रणनीति और ठोस कार्यवाही तय करने के लिए आगामी 2 मई को नगर पालिका कार्यालय में संबंधित विभागों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। शीघ्र कार्य का संकल्प बैठक में कार्ययोजना का निर्धारण करते हुए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्य जल्द से जल्द शुरू कर दिए जाएंगे।

नेहरू एकेडमी जूनियर हाईस्कूल में दंत परीक्षण शिविर आयोजित

देहरादून। नेहरू एकेडमी जूनियर हाईस्कूल, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून में विद्यालय के प्रधानाध्यापक रणवीर सिंह के निर्देशन में छात्र–छात्राओं एवं स्टाफ के लिए निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों को मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में विद्यालय के सभी छात्रों और स्टाफ सदस्यों के दाँतों की जाँच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। परीक्षण टीम में डॉ. सौरभ सेमवाल, डॉ. आकांक्षा डंगवाल एवं डॉ. पिवातो जैडअवोमी शामिल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को दाँतों की देखभाल, नियमित ब्रशिंग और संतुलित आहार के महत्व पर भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यापक दीपक कुमार एवं कर्मसिंह सैनी भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों को इस पहल का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाध्यापक रणवीर सिंह ने कहा कि विद्यालय समय–समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और चिकित्सकों से दंत स्वास्थ्य संबंधी सुझाव प्राप्त किए। शिविर का आयोजन विद्यालय

बागेश्वर में अवैध पैथोलॉजी लैब्स पर सख्त प्रहार, तीन लैब सीज, प्रत्येक पर 2.50 लाख का जुर्माना

बागेश्वर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मानकों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब्स के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए तीन लैब्स को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तराखंड तथा जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में की गई, जिसमें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमित मिश्रा के नेतृत्व में गुरुवार को विभिन्न लैब्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मां भगवती लैब, शिवम पैथोलॉजी लैब और कालिका लैब में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण मानकों तथा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट से संबंधित अनिवार्य पंजीकरण दस्तावेजों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इन गंभीर कमियों को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने

क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत तीनों लैब्स को तत्काल प्रभाव से सीज करने के साथ ही प्रत्येक पर 2.50 लाख का अर्थदंड भी अधिरोपित किया है। वहीं, चन्दन डायग्नोस्टिक लैब के निरीक्षण में भी कुछ खामियां पाई गईं, जिनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं।

एक नजर

पहाड़ी से गिरने से महिला की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के पाबौ ब्लॉक के अन्तर्गत ढिक्वली गांव में महिला की पहाड़ी से गिरकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कांति देवी रोज की तरह अपनी बकरियों को चराने के लिए गांव के पास स्थित जंगल में गई थी। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया, जिससे संतुलन बिगड़ने पर वह गहरी ढलान में जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाबू ले जाया गया। लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

ध्यान सिंह रावत के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक मंच की ओर से आयोजित शोक सभा में ध्यान सिंह रावत के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। लोगों ने ध्यान सिंह के योगदान को याद करते हुए उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। बालासौड़ स्थित एक कार्यालय में सभा का आयोजन किया गया। लोगों ने 109 वर्षीय ध्यान सिंह रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि ध्यान सिंह रावत के आकस्मिक निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है। कहा कि स्व. ध्यान सिंह रावत एक उच्च कोटि के उद्यमी रहे व उन्होंने काष्ठकला के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया। इस मौके पर प्रवेश चंद्र नवानी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, शंकर दत्त गौड, सत्य प्रकाश भारद्वाज, हरीश द्विवेदी, विद्या नवानी, मीनाक्षी नवानी, डा. रमेश चंद्र नैथानी मौजूद रहे।

सिविल सर्विसेज में जाना चाहती है प्रतिष्ठा मेवाड़

श्रीनगर गढ़वाल : इंटर की परीक्षा में सेंट थेरेसास कान्वेंट स्कूल श्रीनगर की टॉपर प्रतिष्ठा मेवाड़ सिविल सर्विसेज के क्षेत्र में जाना चाहती हैं। उनके पिता भगवान सिंह मेवाड़ बिजनेसमैन और माता रजनी मेवाड़ गृहिणी हैं। प्रतीक्षा बताती हैं कि वह विद्यालय में सिलेबस कवर करने के साथ ही घर में रिविजन पर पूरा ध्यान देती थीं। उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता, पिता व शिक्षकों को दिया।साइंस स्ट्रीम में टॉपर रही प्रिशा नेगी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जाना चाहती हैं। उनके पिता डॉ. योगेश कुमार नेगी रानीचौरी कॉलेज ऑफ फारेस्ट्री में प्रोफेसर हैं। माता डॉ. दीप्ति प्रभा गढ़वाल विवि के सीड साइंस विभाग में प्रोफेसर हैं। वह प्रतिदिन पांच-छह घंटे पढ़ाई करती हैं। कॉमर्स स्ट्रीम में टॉपर रहीं यशिका रावत सीए बनना चाहती हैं। उनके पिता जगदीप रावत व्यापारी हैं, जबकि माता शकुंतला रावत शिक्षिका हैं। वहीं आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में विद्यालय की टॉपर नाइसा घिल्डियाल इंजीनियर बनना चाहती हैं। नाइसा के पिता देवेश घिल्डियाल कंप्यूटर रिलेटेड बिजनेस से जुड़े हैं, जबकि माता किरन घिल्डियाल गृहिणी हैं।(एजेंसी)

रैंप वाक करवाए जाने का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में छात्र संघ सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिता में रैंप वाक करवाए जाने पर छात्रों ने कड़ा विरोध जताया। कहा कि क्विज प्रतियोगिता को हटाकर अब महाविद्यालय में रैंप वाक करवाया जाना ठीक नहीं है। इससे महाविद्यालय की शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भटकाव की स्थिति पैदा हो रही है।छात्रों के प्रतिनिधि मंडल ने प्राचार्य प्रो. डा. डीएस नेगी को ज्ञापन सौंपा। कहा कि महाविद्यालय में छात्रसंघ सप्ताह प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिससे महाविद्यालय के शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। पूर्व में महाविद्यालय में छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं। लेकिन, इस बार छात्रसंघ प्रभारी व उनकी समिति ने क्विज प्रतियोगिता को हटाकर रैंप वाक प्रतियोगिता करवाई जा रही है, जो कि महाविद्यालय के शैक्षिणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के खिलाफ है। कहा कि छात्रसंघ सप्ताह के तहत पूर्व की भांति क्विज प्रतियोगिता को सम्मिलित किया जाए। साथ ही जिन लोगों ने इस प्रकार का कृत्य किया है, उन के खिलाफ उचित कार्यवाही अमल में लाई जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में छात्रसंघ के पूर्व महासचिव शुभम सुयाल, सौरभ रावत, मनीष नेगी, आयुष शामिल रहे।

दूरस्थ शहरों में सीयूईटी परीक्षा केंद्र आवंटित करने पर भड़के छात्र

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के छात्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर छात्र संघ पदाधिकारियों एवं अन्य संगठनों से जुड़े छात्र नेताओं ने कुलपति से वार्ता की। उन्होंने एनटीए की ओर से सीयूईटी स्नातक की प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र दूरस्थ शहरों में आवंटित करने और अन्य समस्याओं का समाधान न होने पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन करेंगे। छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट व सचिव अनुरोध पुरोहित ने कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह व अन्य अधिकारियों से कहा कि विवि की ओर से सीयूईटी प्रवेश परीक्षा केंद्र श्रीनगर में बनाए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन छात्रों को दूरस्थ क्षेत्रों में बने परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं।

उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने दुगड्डा में संचालित हो रहे ग्रोथ सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मसाला व हर्बल चाय यूनिट का निरीक्षण कर यूनिट के उत्पादों के आनलाइन बिक्री के भी निर्देश दिए। गुरुवार को जिलाधिकारी ने विकासखंड दुगड्डा के उमथगांव स्थित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से संचालित फल व मसाला आधारित प्रसंस्करण ग्रोथ सेंटर का निरीक्षण किया। इस केंद्र में नवदुर्गा क्लस्टर लेवल फेडरेशन की ओर से मसाला यूनिट व लक्ष्य स्वायत्त सहकारिता फरसूला की हर्बल चाय यूनिट संचालित किया जा रही है। जिलाधिकारी ने दोनों इकाइयों में उत्पादन व विपणन की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। समूह की महिलाओं से संवाद कर उत्पादों एवं पैकेजिंग की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने पाया कि मसाला यूनिट में वर्तमान में अधिकांश कार्य मैन्युअल रूप से किया जा रहा है, जिस पर उन्होंने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए यूनिट को सेमी-ऑटोमेटिक बनाने पर जोर दिया। साथ ही आवश्यक मशीनों के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि समूह के उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री अमेजॉन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर सुनिश्चित की जाए, जिससे बाजार विस्तार

विकासखण्ड दुगड्डा के उमथगांव स्थित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में तैयार उत्पादों का निरीक्षण करती जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया

के साथ आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने लक्ष्य स्वायत्त सहकारिता फरसूला की ओर से संचालित हर्बल चाय यूनिट का निरीक्षण किया। ग्रामोत्थान परियोजना प्रतिनिधि को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टॉक, क्रय व विक्रय पंजिकाओं का निरीक्षण करते हुए उत्पादन की स्थिति का जायजा लिया और व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समूह की महिलाओं द्वारा पिरुल यूनिट स्थापना की इच्छा व्यक्त की गई। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि चयनित भूमि का प्रस्ताव देने, मशीनों की खरीद तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र प्रारंभ किया जाए। साथ ही वन विभाग के साथ एमओयू की प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने एवं ब्रिकेट निर्माण हेतु यूनिट स्थापित करने को कहा। स्पष्ट किया कि यदि क्लस्टर लेवल फेडरेशन द्वारा बेलिंग यूनिट की स्थापना संभव न हो, तो इस संबंध में जिला कार्यालय में प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षकों व कर्मचारियों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने प्रदेश के राज्य सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के जूनियर व माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक व कर्मचारियों को तीन माह से वेतन न दिए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि तीन माह से वेतन न मिलने से शिक्षकों व कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक संकट पैदा हो गया है। शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष मेजर स्वतंत्र मिश्रा व प्रांतीय महामंत्री डा. महावीर सिंह बिष्ट की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के राज्य सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालय के हजारों शिक्षकों व कर्मचारियों को फरवरी, मार्च व अप्रैल माह का वेतन नहीं मिला है। प्रतिवर्ष शासन की तरफ से वेतन बजट का आवंटन मई माह तक किए जाने के कारण शिक्षकों व कर्मचारियों को प्रायः फरवरी, मार्च, अप्रैल व मई तक

वेतन के अभाव में कठिन आर्थिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वेतन न मिलने के कारण शिक्षकों व कर्मचारियों के समक्ष पारिवारिक, सामाजिक व आर्थिक दायित्वों का निर्वहन करना अत्यंत दुष्कर हो जाता है। अप्रैल माह में नवीन शैक्षिक सत्र प्रारंभ होने व विद्यार्थियों के प्रवेश कार्य के दौरान अतिरिक्त आर्थिक आवश्यकताएं उत्पन्न हो जाती है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से शीघ्र ही वेतन के लिए बजट जारी करने की मांग की है।

जन समस्याओं पर कांग्रेस का रोष, आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर कोटद्वार तहसील में ज्ञापन देते कांग्रेसजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्युत कटौती सहित विभिन्न समस्याओं पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने रोष व्यक्त किया है। कांग्रेसियों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समस्या के संबंध में कांग्रसे ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण ने कहा कि वर्तमान में गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। ऐसे में असमय हो रही विद्युत कटौती ने चुनौतियां बढ़ा दी है। सबसे ज्यादा असर पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है। साथ ही छोटे व्यापारियों के कामकाज पर भी बुरा असर पड़ रहा है। शहर में गैस वितरण ठीक न होने के कारण लोगों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है और उन्हें सिलेंडर के लिए भटकना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यककर्ताओं ने सोलर पैनल लगाने वाले उपभोक्ताओं को विद्युत विभाग से भुगतान न किए जाने का भी आरोप लगाया। कहा कि जिन लोगों ने प्रोत्साहन सोलर ऊर्जा योजना के तहत अपने घरों के छतों पर सोलर पैनल लगाए है, उन्हें विद्युत विभाग की तरफ से अतिरिक्त विद्युत उत्पादन का भुगतान भी नहीं किया गया है। उन्होंने जिलाधिकारी से उक्त समस्याओं का तत्काल समाधान करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की है। इस मौके पर प्रवीन रावत, गणेश नेगी, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, सुधा असवाल, प्रीति देवी, कृपाल सिंह, देवेंद्र सिंह मौजूद रहे।

वाटर कूलर खराब, राहगीरों के सूखे कंठ

कोटद्वार के बेस चिकित्सालय के बाहर लगा नगर निगम का वाटर कूलर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी राहगीरों को होती है। गर्मी में पैदल चल रहे राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध हो इसके लिए नगर निगम ने कुछ वर्ष पूर्व जगह-जगह वाटर कूलर लगाए थे। लेकिन, वर्तमान में देखरेख के अभाव में यह वाटर कूलर खराब पड़े हुए हैं। यही नहीं, कुछ जगह वाटर कूलर के आसपास गंदगी का ढेर लगा हुआ है। ऐसे में कैसे राहगीरों की प्यास बुझेगी यह बड़ा सवाल है।

नगर निगम की ओर से राजकीय बेस चिकित्सालय के प्रवेश द्वार, झंडाचौक व नजीबाबाद चौक में वाटर कूलर लगाया गया था। लेकिन, वर्तमान में यह वाटर कूलर दयनीय स्थिति में पड़े हुए हैं। वाटर कूलर की मशीनें खराब हो चुकी हैं, जिसके कारण वाटर कूलर में पानी तक नहीं भर रहा है।

यही नहीं, मालवीय उद्यान पार्क के समीप हाईवे के किनारे कुछ वर्ष पूर्व हंस फाउंडेशन की ओर से वाटर कूलर लगाया गया था। लेकिन, यह वाटर कूलर गायब हो गया है। वाटर कूलर कहां गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं। एक बार वाटर कूलर खराब होने के बाद नगर निगम ने इसे ठीक कर दोबारा लगाने की सुध नहीं ली।

यात्रियों के लिए नहीं है पानी

कोटद्वार बस स्टेशन में प्रतिदिन सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। लेकिन, इन लोगों के लिए पानी की कोई व्यवस्था तक नहीं है। नतीजा, लोगों को बाजार से पानी की बोतल खरीदकर प्यास बुझानी पड़ती है। जबकि, स्थानीय लोग कई बार स्टेशन में पेयजल व्यवस्था बनाने की मांग उठा चुके हैं। ऐसे में कैसे व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा यह बड़ा सवाल है।

डीएम ने दिए प्रभारी चिकित्साधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुगड्डा में लैब टेक्नीशियन व डायग्नोस्टिक सुविधाओं के अभाव को लापरवाही मानते हुए जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। कहा कि अस्पताल में बेहतर सुविधाओं के लिए गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने भवन की जर्जर स्थिति सहित अन्य अव्यवस्थाओं पर भी नाराजगी व्यक्त की।

गुरुवार को जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने दुगड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र के भवन की जर्जर स्थिति पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि भवन उपयोग के योग्य नहीं है तो उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रचार-प्रसार सामग्री के लंबे समय से भंडारण पर नाराजगी जताते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्रों में शीघ्र वितरित करने के निर्देश दिए,

दुगड्डा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दस्तावेजों की जांच करती जिलाधिकारी डा. स्वाति एस.भदौरिया

ताकि योजनाओं की जानकारी अधिकाधिक लोगों तक पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान फ्री डायग्नोस्टिक सेवा के प्रतिनिधि ओपीडी समय पर भी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने उनके बिल भुगतान और रोक लगाने के निर्देश सीएमओ को दिए। जिलाधिकारी ने ओपीडी, दवा वितरण व्यवस्था, बायोमेट्रिक उपस्थिति, दवा भंडारण व उपलब्धता का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को पारदर्शी व सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में ब्लड प्रेशर व हाइपरटेंशन के बढ़ते मामलों की जानकारी ली और इनके प्रभावी उपचार व निगरानी के निर्देश दिए। आशा कार्यकर्ताओं व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को पिछले चार माह में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा कराए गए प्रसवों का सत्यापन कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में उपलब्ध उपकरणों, शल्य कक्ष, लैब, पेयजल व शौचालय व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उपकरणों की जानकारी लेने पर स्टाक रजिस्टर नहीं पाया गया, जिस पर प्रभारी चिकित्साधिकारी की अनभिज्ञता पर नाराजगी जताते हुए सभी उपकरणों का अद्यतन रजिस्टर तैयार करने के निर्देश दिए।

पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में चित्रकला परिषद के तत्वाधान में आयोजित स्टोन पेंटिंग के विजयी छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गए। इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ. विनोद सिंह ने सत्र 2025-26 में चित्रकला विभाग परिषद द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं में प्रथम स्थान उषा गुसाईं बी. ए. पंचम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान हर्षिता बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर, तृतीय स्थान स्मृति बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर, कामिनी नैथानी बी. ए. पंचम सेमेस्टर एवं खुशी बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग प्रभारी डॉ. विनोद सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. अंशिका बंसल सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जल्द खुलेगा श्रीनगर बेस अस्पताल में हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल में संयुक्त राज्य अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मेम्फिस के डीन, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. आशीष जोशी के प्रयासों से जल्द क्लीनिकल और हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर खोला जाएगा। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो यह रिसर्च सेंटर गढ़वाल के चार जिलों के लोगों और चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और अवेयरनेस को लेकर काम करेगा। बेस अस्पताल के सभागार में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डॉ. आशीष जोशी ने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र में कैसे रिसर्च के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सकता है इसके लिए क्लीनिकल और हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर खोले जाने का निर्णय लिया गया है। यह मेडिकल कॉलेज के लिए उपलब्धि होने के साथ ही चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम होगा। फैकल्टी, पीजी करने वाले हों चाहे यूजी करने वाले छात्र इसमें प्रतिभाग कर अपनी शोध की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। बेस अस्पताल एमबीबीएस पढ़ाई के साथ शोध की एक प्रयोगशाला के रूप में उभर सकता है। क्षेत्र के गांवों में मेडिकल कैंप लगाकर लोगों की स्क्रीनिंग सहित तमाम पहलुओं पर काम होगा। प्राचार्य ने बताया कि सेंटर के साथ ही प्रथम चरण में रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों से एक ऐसा सूचना तंत्र बनाया जाएगा जिससे उक्त जिलों से रेफर होकर बेस अस्पताल में आने वाले मरीज की पहले ही सूचना अपडेट हो जाए ताकि यहां पहले से डाक्टरों की टीम अलर्ट रहे। (एजेंसी)

बीडीसी बैठक में संस्थागत प्रसव के लिए किया जागरूक

त्रिपालीसैण क्षेत्र में एक अतिरिक्त एएनएम की नियुक्ति की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा ब्लॉक प्रमुख थैलीसैंण सुनीता रावत की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में आयोजित बीडीसी बैठक आयोजित की गई। बैठक में थलीसैंण ब्लॉक में सबसे अधिक गृह प्रसव पर चिंता व्यक्त करते हुए शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव बढ़ाए जाने को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों को गृह प्रसव के खतरों के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ ही संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित किया। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजीव रावत ने थैलीसैंण ब्लॉक में सबसे अधिक गृह प्रसव पर चिंता जताई। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी

में क्षेत्र में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा मातृत्व सुरक्षा एवं शिशु सुरक्षा हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से विभागीय योजनाओं का अपने क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार कर गृह प्रसव शून्य करने हेतु सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर ग्राम प्रधान घुलेख उत्तम सिंह, कुठखाल भगत सिंह, ग्राम प्रधान रिश्ती सुनीता देवी ने त्रिपालीसैण क्षेत्र के अंतर्गत अतिरिक्त एएनएम की व्यवस्था कर क्षेत्र में नियमित टीकाकरण की समुचित व्यवस्था करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस क्षेत्र में केवल एक ही एएनएम कार्यरत है। क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं और बच्चों का समय पर नियमानुसार टीकाकरण हो उसके लिए अतिरिक्त एएनएम की बहुत आवश्यकता है। जनप्रतिनिधियों ने मिजगांव, कुठ और गडोली में आशा कार्यकत्रियों की नियुक्ति की मांग की। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक रविकांत उनियाल, मनमोहन देवली, ग्राम प्रधान अनिशा देवी, नीमा देवी आदि मौजूद रहे।

करियर काउंसलिंग क्लास का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार आईटीडीए कैल्क कम्प्यूटर संस्थान में करियर काउंसलिंग क्लास का आयोजन किया गया, जिसमे संस्थान के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया । छात्र–छात्राओं को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग तथा उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से निकलने वाली भर्तीयो के बारे में जानकारी अवगत करायी गयी साथ ही उत्तराखंड पीसीएस लोअर पीसीएस समीक्षा अधिकारी तथा विभिन्न भर्तियों के बारे में बताया गया।

छात्र–छात्राओं को बीसीए एमसीए एमबीए मास कोमनिकेशन मास कोमसे संबंधित करियर ओरिएंटेड पाठ्यक्रमों से अवगत कराया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी अरविन्द दुदपुड़ी ने बताया कि समय समय पर संस्थान में करियर काउंसलिंग मोक इंटरव्यू आदि गतिविधियां संचालित की जाती हैं जिससे छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

चैक बाउंस के मामले में व्यक्ति को छः माह का कारावास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा तिवारी की अदालत ने चैक बाउंस के एक मामले में व्यक्ति को छः माह का कारावास सुनाया है। साथ ही छः लाख रुपये के आर्थिक दंड की सजा दी है। मामले में लकड़ीपड़ाव निवासी रिहाना की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसमें उन्होंने बताया कि अहसान अहमद ने उनके पति को एक विवादित जमीन बेच दी। उन्हें जब जमीन में विवाद होने का पता चला तो उन्होंने अहसान से इस बारे में बात की। जिसके बाद अहसान ने जमीन के नाम पर ली गई रकम को जल्द वापस देने की बात कही और उन्हें सात लाख रुपये का चैक दे दिया। जब उन्होंने उक्त चैक को बैंक में लगाया तो वह बाउंस हो गया। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा तिवारी में चल रही थी। गुरूवार को न्यायालय में मामले में आरोपित अहसान अहमद को चैक बाउंस में दोषी पाते हुए छः माह का साधारण कारावास सुनाया। साथ ही छः लाख के अर्थदंड की भी सजा सुनाई। अर्थदंड जमा न किए जाने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

सीआईएससीई का परीक्षा परिणाम जारी, इंटर में प्रतिष्ठा और हाईस्कूल में नाइसा बनी टॉपर

श्रीनगर गढ़वाल : सीआईएससीई की इंटर की परीक्षा में सेंट थेरेसॉस कान्वेंट स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय से 15 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इंटर में प्रतिष्ठा मेवाड़ ने 97.50 प्रतिशत अंकों और हाईस्कूल में नाइसा घिल्डियाल ने 98.2 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया।इंटर विज्ञान वर्ग में प्रिशा नेगी ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया है जबकि सार्थक सेमवाल ने 95.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप रैंक में दूसरा एवं अनुष्का रौतेला ने 94.75 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। साइंस में टॉप इलेवन में दीक्षा भंडारी, अक्षिता बुटोला, शौर्य सिंह कठैत, अक्षिता जोशी, अरहन उमर हुसैन, दृष्टि चमोली, जिज्ञासा व आकांक्षा नेगी ने जगह बनाई है। कॉमर्स संवर्ग में यशिका रावत ने 91.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ह्यूमिनिटीज स्ट्रीम कला संवर्ग में प्रतिष्ठा मेवाड़ ने 97.50 प्रतिशत, तनिष्का ने 93.50 प्रतिशत और हर्षिता शुक्ला ने 92 प्रतिशत अंकों के साथ टॉपर में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। दूसरी ओर आईसीएसई हाईस्कूल बोर्ड में भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। 28 छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। हाईस्कूल में नाइसा घिल्डियाल ने 98.2 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया। टी सर्वण कुमार ने 97.6 प्रतिशत और दिव्यांश भट्ट ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः टॉप रैंक में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिया भट्ट, अर्नव काला, देवांश सिंह नेगी, मिमांशा कोठियाल, ईशान असवाल, मनस्वनी थपलियाल, शौर्य, देवांश बहुगुणा ने टॉप इलेवन में जगह बनाई। (एजेंसी)

हाईस्कूल में अनुप्रिया ने किया स्कूल टॉप

कीर्तिनगर : सैंजो कान्वेंट स्कूल किलकिलेश्वर का आईसीएसई का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। छात्रा अनुप्रिया ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंजलि बंगवाल ने 90.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा अराध्या जोशी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। प्रधानाचार्य सिस्टर नेजी जोसेफ ने बताया कि कक्षा 10वीं में कुल 37 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए और सभी सफल रहे।

संपादकीय

"बंधन" से मुक्त हुई खाकी

उत्तराखंड को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में कम से कम देहरादून में तो पुलिस धरातल पर काम करती नजर आ रही है। हालांकि यह राजधानी देहरादून ही है जहां पिछले कुछ दिनों में कई ऐसी आपराधिक घटनाए हुई जिसके बाद बड़े स्तर पर पुलिस अधिकारियों को इधर से उधर करना पड़ा था। सड़कों पर छात्र गुटों और बाहरी बदमाशों कि अपराधी के गतिविधियों ने देहरादून की शांत हवाओं को विषैला बनाने का प्रयास भी किया। इस दौरान पुलिस मुठभेड़ में कुछ बदमाशों को पकड़ा भी गया लेकिन बावजूद इसके बदमाशों के बुलंद हौसले पुलिस व्यवस्थाओं को चुनौती देते रहे। इस बार भी बदमाशों ने एक ठेकेदार को हथियारों की नौकरी न केवल लूटने का प्रयास किया बल्कि विरोध करने पर उसे गोली भी मारी किंतु इस बार दून पुलिस कुछ अलग मन बने बैठी थी और सूचना मिलने पर तत्काल घेराबंटी कर बदमाशों को घेरा गया जिसमें एक बदमाश की गोली लगने से मौत हो गई, हालांकि अन्य बदमाश भागने में सफल रहे। रणवीर मुठभेड़ के बाद यह पहला मौका है जब पुलिस की गोली से मुठभेड़ में किसी को मार गिराया गया है। यह घटना उत्तराखंड में होने वाले अपराधों पर लगाम करने का काम करेगी क्योंकि कहीं ना कहीं कुख्यात बदमाश यह मान बैठे थे कि रणवीर मुठभेड़ के अंजाम से डरे हुए पुलिसकर्मी बंधन में हैं और हदों को पार करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। इस एक बदमाश के मारे जाने से उस परिवार को भी न्याय और सुकून मिला है जिनके बेटे को वर्ष 2014 में डकैती के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया था। अपराधों को रोकने के लिए बदमाशों पर रहमदिली समाज और पुलिस तंत्र के लिए एक मुसीबत बनती चली जाती है तो वहीं इससे पुलिस व्यवस्थाओं को आलोचनाओं का शिकार भी बनना पड़ता है। हालांकि किसी बदमाश को मार गिराने के बाद जटिल कानूनी कार्रवाई से भी पुलिस कर्मियों को गुजरना पड़ सकता है लेकिन समाज के लिए मुसीबत बन चुके ऐसे बदमाशों को उनके अनजान तक पहुंचाना ही एक सुरक्षित तंत्र को मजबूत बनाने में सहायक साबित हो सकता है। लंबे समय बाद ही सही लेकिन राजधानी पुलिस ने खुद को बंधन मुक्त करते हुवे कुख्यात बदमाश को मार गिराया है जिसका असर अपराध जगत में अब लंबे समय तक देखने को मिलेगा।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?
दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।
जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।
बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।
कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।
यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें–हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।
मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।
भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।
आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।
ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।
सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।
वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।
कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।
महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।
मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।
समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।
अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।
(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।
शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।
आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।
बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।
उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।
अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।
(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन ने फिर बनाया रूसी तेल रिफाइनरी को निशाना, भीषण आग लगी, महीने में चौथा हमला

कीव, यूक्रेन ने एक बार फिर गुरुवार को रूस के एक तेल रिफाइनरी स्टेशन पर ड्रोन हमला किया है, जिससे केंद्र पर भीषण आग लग गई। हमला ट्रांसनेफ्ट द्वारा पर्म क्राई में संचालित सुविधा केंद्र पर हुआ है, जिसमें कम से कम 2 से 3 भंडारण टैंकों को नुकसान पहुंचा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें काले धुएं और आग का गुबार आसमान में उठता दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन ने एक दिन पहले 29 अप्रैल को भी पर्म सुविधा केंद्र पर ड्रोन हमला किया था। यह यूक्रेन से करीब 1,500 किलोमीटर की दूरी पर है। मॉस्को के पूर्व में यूराल पर्वतमाला के पास स्थित पर्म क्राई में यह स्टेशन एक प्रमुख तेल पारगमन केंद्र भी है, जो रूस के घरेलू तेल जरूरतों के एक बड़े हिस्से को संभालता है। केंद्र में प्रत्येक टैंक में लगभग 3.14 लाख बैरल तेल आता है।

यूक्रेन ने हाल में रूसी सैन्य ईंधन की आपूर्ति बाधित करने और क्रेमलिन के युद्धकालीन राजस्व के प्रमुख स्रोत को कमजोर करने के लिए रूसी तेल बुनियादी ढांचे पर हमले तेज किए हैं। इससे पहले, यूक्रेन ने 16 और 20 अप्रैल को काला सागर बंदरगाह में स्थित रूस की तुआपसे तेल रिफाइनरी पर हमला किया था, जिसमें 24 भंडारण टैंक नष्ट हुए, भीषण आग लगी और 3 लोग मारे गए थे। इसके बाद 28 अप्रैल को फिर हमला हुआ था।

एफबीआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच ने मंगलवार को बताया कि संघीय ग्रांड ज्यूरी ने जेम्स कोमी पर दो मामलों में मुकदमा चलाने का फैसला किया है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी देने से जुड़े हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। आरोप है कि जेम्स कोमी ने 15 मई, 2025 को कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तरी कैरोलिना के पूर्वी जिले में मुकदमा दायर हुआ है। दूसरे मामले में कोमी ने टेलीफोन संचार या डिजिटल माध्यम से राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी वाला संदेश भेजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग कभी भी राष्ट्रपति को धमकी देने की बात को बर्दाश्त नहीं करेगा। इन दोनों मुकदमों में अगर जेम्स कोमी को दोषी पाया जाता है तो उन्हें 10-10 साल की सजा हो सकती है। जेम्स कोमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा या वे खुद आत्मसमर्पण करेंगे। वहीं जेम्स कोमी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था। बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

ईरान का नया शांति प्रस्ताव, ट्रंप पर 1 मई के बाद युद्ध जारी रखने को लेकर बढ़ा सियासी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति को वह सामान्य नहीं मानता और उसके लिए हालात अब भी युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और सर्विलांस में जुटी हैं, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। ईरान ने अपने विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई नई कार्रवाई की जाती है, तो उसका जवाब नए हथियारों, नई रणनीतियों और अलग-अलग मोर्चों पर दिया जाएगा। अमेरिका में 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973' नाम का एक कानून लागू है, जिसके अनुसार अगर राष्ट्रपति बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर संसद से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी संसद को 2 मार्च को दी गई। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन के पास 1 मई तक कांग्रेस की मंजूरी लेने का समय है। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ सकती है। कांग्रेस की मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन अभी तक यह समर्थन नहीं मिल

सका है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद भी इस कार्रवाई के विरोध में हैं। हालांकि नियम यह कहता है कि मंजूरी न मिलने पर सैन्य कार्रवाई समाप्त होनी चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता। अतीत में कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून की व्याख्या अपने तरीके से करते रहे हैं और इसे लेकर कानूनी बहस भी होती रही है।

ईरान की नई शांति पहल : ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मौजूद मध्यस्थों के जरिए युद्ध समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि पूर्व में दिया गया प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार नहीं किया था।

अमेरिकी सेना ने समुद्र में संदिग्ध जहाज को रोका : अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान एक और व्यापारिक जहाज ब्लू स्टार III की तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि मरीन सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरकर जांच की। जब यह पुष्टि हो गई कि जहाज ईरान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जा रहा है, तो उसे आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन ने दो हफ्ते पहले ईरान की समुद्री नाकेबंदी शुरू की थी। तब से अब तक अमेरिकी सेना ने कम से कम चार व्यापारिक जहाजों की तलाशी ली है। यह पहला मौका है जब किसी जहाज को हिरासत में लेने के बजाय छोड़ दिया गया। अमेरिका ने यह नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने के लिए की है।

ईरानी अधिकारी ने ईरान के खिलाफ ट्रंप की धमकियों की निंदा की : भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के उप प्रतिनिधि डॉ मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने शांति समझौता न होने पर ईरान के बुनियादी ढांचे को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। जियाईनिया ने कहा कि ट्रंप खुलेआम अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठन इस पर चुप हैं। दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले में दो की मौत, 13 घायल दक्षिण लेबनान के जेबचित शहर पर इस्राइल ने हवाई हमला किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक नेशनल न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी कि नबातियेह जिले में हुए इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंगलवार को लेबनान में हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल मिलाकर कम से कम 11 लोग मारे गए और 30 घायल हुए। इन पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी। वहीं, तस्करी के सरगनाओं को सजा और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अमेरिकी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) के स्थानीय टीवी स्टेशनों के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समय से पहले समीक्षा करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने कॉमेडियन जिमी किमेल को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। एफसीसी का यह निर्णय असामान्य और सख्त माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समीक्षा तय समय पर ही की जाती है। आदेश के अनुसार एबीसी और उसके सभी लाइसेंस प्राप्त टीवी स्टेशनों को 28 मई 2026 तक अपने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह समीक्षा नेटवर्क के आठ चैनलों से जुड़ी है और एक चल रही जांच का हिस्सा बताई जा रही है, जिसमें एबीसी की विविधता से जुड़ी नीतियों की भी जांच हो रही है। हालांकि, यह कदम उस विवाद के ठीक बाद आया है, जिसमें जिमी किमेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजना पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। बता दें कि, भारत दुनिया के शीर्ष तीन नाविक-आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 13 प्रतिशत योगदान देता है। इसलिए, भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहराई से चिंतित है। राजदूत पटेल ने कहा, 'किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग में व्यवधान, बाधा या कथित बंद होने के वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सीधे परिणाम होते हैं।' पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि क्षेत्र में 'कई घटनाओं' में आठ भारतीय नागरिकों की जान चली गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि तत्काल हल की जाने वाली मुख्य चिंताएं नौवहन की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता (विशेष रूप से मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर के साथ), समुद्री जागरूकता में वृद्धि और नाविकों के लिए संचार की सुविधा प्रदान करना है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विश्व के जलमार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की परीक्षा बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम: मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास : यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान

करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन : अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा। यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म , गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है, जो बदलते विज्ञापन उद्योग को सही तरह नहीं समझता और टिकाऊ समाचार क्षेत्र बनाने में विफल रहेगा।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने

की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात : इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच स-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और स-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, राजनाथ सिंह ने बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन से भी मुलाकात की। उन्होंने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकाम्बेटोव रुस्लान मुस्तफेविच के साथ बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे।

'हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते': ट्रंप के बड़बोलेपन पर किंग चार्ल्स का मजेदार तंज, इतिहास की दिला दी याद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-III ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा मजेदार तंज कसा कि माहौल हल्का-फुल्का हो गया, लेकिन संदेश गहरा था। बात इतिहास और भाषा से जुड़ी थी और निशाने पर थे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। पूरी बात को ऐसे समझिए कि दरअसल, ट्रंप ने उनके साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश आज जर्मन भाषा बोल रहे होते। ट्रंप का इशारा यूरोप और जर्मनी के उस युद्ध की ओर था, जहां संभवतः जर्मनी का यूरोप के देशों पर कब्जा होता और ये देश खासकर ब्रिटेन भी हिटलर की बोली बोलने लगता। देखा जाए तो ये कोई नई बात नहीं है कि ट्रंप ने अपने घर में बुलाकर किसी दूसरे देश के मेहमान के साथ अपना बड़बोलापन दिखाया हो। लेकिन इस बार उनकी ये चाल शायद उनपर भारी पड़ गई, क्योंकि ट्रंप के अंदाज में ही किंग चार्ल्स ने ऐसा जवाब दिया, जो खूब चर्चा में रहा और लोगों ने इसपर जमकर ठहाके भी लगाए।

आप फ्रेंच बोल रहे होते- किंग चार्ल्स : शुरुआत कुछ ऐसे हुई जब ट्रंप ने ये तंज कसा तो इसी बयान को पकड़ते हुए किंग चार्ल्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोल रहा होता। मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर हम (ब्रिटेन) न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते। किंग चार्ल्स का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। यह टिप्पणी इतिहास की उस पृष्ठभूमि की ओर इशारा करती है, जब यूरोप में

अलग-अलग ताकतों का प्रभाव था और भाषाओं पर भी उसका असर पड़ता था।

अब समझिए क्या कहता है इतिहासः गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप की ताकत को लेकर दिए गए बयानों के बीच असली इतिहास क्या कहता है, इसे समझना जरूरी है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश जर्मन भाषा बोल रहे होते, जिसका इशारा दूसरे विश्व युद्ध की तरफ माना जा रहा है। वहीं ब्रिटेन के किंग किंग चार्ल्स III ने जवाब में इतिहास का दूसरा पहलू सामने रखा। किंग चार्ल्स का इशारा उस दौर की ओर था जब 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी की घोषणा की थी, लेकिन यह जीत अकेले संभव नहीं थी। उस समय फ्रांस ने अमेरिका को अहम सैन्य मदद दी थी, जिसके बिना अमेरिका की आजादी मुश्किल मानी जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका बनने से पहले वहां के कई हिस्सों पर फ्रांस का कब्जा था और उसे न्यू फ्रांस कहा जाता था। हालांकि इसके बाद भी ब्रिटेन और अमेरिका के बीच तनाव खत्म नहीं हुआ और 1812 में दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसे वॉर ऑफ 1812 कहा जाता है। इसी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने वॉशिंगटन डीसी पर कब्जा कर लिया और 1814 में व्हाइट हाउस को आग के हवाले कर दिया था।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है।

बजट पर राजनीतिक गतिरोध जारी : अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है।

स्पीकर माइक जॉनसन पर बढ़ा दबाव : ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन

पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि ष्ठ॥स्के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होमलैंड सिक्योरिटी शटडाउनः अब तक का सबसे लंबा : होमलैंड सिक्योरिटी दो महीने से अधिक समय से नियमित धन के बिना काम कर रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की निर्वासन एजेंडे के विरोध में मारे गए अमेरिकियों की मौतों के बाद इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट और बॉर्डर पेट्रोल को धन देने से इनकार कर दिया। हालांकि आप्रवासन प्रवर्तन कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नए धन के माध्यम से भुगतान किया गया है - कुछ 170 बिलियन अमरीकी डालर - जिसे कांग्रेस ने पिछले साल ट्रंप के कर कटौती विधेयक के हिस्से के रूप में अनुमोदित किया था, अन्य, जिसमें ञ्जस्न भी शामिल है, को अपने वेतन सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप के हस्तक्षेप पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन हर दो सप्ताह में 1.6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वेतन के साथ, डीएचएस सचिव मार्कवेन मल्लिन ने हाल ही में कहा है कि ये धन सूख रहे हैं।

नीम का जूस अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन से शरीर को हो सकता है नुकसान

नीम का जूस फायदेमंद होने के बावजूद, इसका अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन शरीर में रूखापन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी पैदा कर सकता है, इसलिए इसे अपनी रोजाना की आदत बनाना नुकसानदायक हो सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लोग अपनी सेहत का ध्यान बिल्कुल भी नहीं रखते हैं। सेहतमंद रहने के लिए लोग ज्यादातर महंगी डाइटिंग और फैंसी चीजों की तरफ जाते हैं। लेकिन हमारे आसपास मौजूद पेड़-पौधों, पत्तों और फूलों के औषधीय गुणों के बारे में जान लें और इन्हें डाइट में शामिल करें,तो आधी से ज्यादा बीमारियां से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में नीम के पत्तों को किसी खजाना माना गया है। खून को साफ करने के लिए नीम के पत्ता सबसे अच्छा माना जाता है, वजन कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में नीम बेहद ही फायदेमंद होता है।कुछ लोग रोजाना नीम के पत्तों का जूस पीते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते हैं किन लोगों के लिए यह जूस फायदेमंद नहीं होता है। और अगर आप रोजाना इसके जूस पीने को अपनी सबसे हेल्दी आदत मान रही हैं, तो आप गलत है। नीम के पत्तों के जूस पीने के सही तरीके और मात्रा में पीना चाहिए।आइए आपको इस बारे में बताते हैं।

हेल्थ के एक्सपर्ट बताते हैं कि नीम के पत्तों का कड़वा स्वाद हमारे शरीर में रूखापन लेकर आता है। यदि आप इसे बिना बैलेंस के रोजाना डाइट में शमिल करते हैं, तो ये शरीर के हर सेल में मौजूद नमी को बाहर खींच लेता है।

– नीम की तासीर की प्रकृति ठंडी और शुष्क होती है और ऐसे में इसे लंबे समय तक लेने से बॉडी में ड्राईनेस पैदा हो सकती है।

– अगर आप अत्यधिक कड़वी चीजों का सेवन करते हैं, तो ब्लड, मसल्स और फैट समेत शरीर के सात मुख्य टिश्यूज कमजोर होने लगते है। जिससे हेल्दी डाइट लेने के बाद भी आपको कमजोरी और थकान हो सकती है।

– लोग सोचते हैं कि नीम का जूस पीकर हमारी बॉडी डिटॉक्स होगी, लेकिन असल में हमारे टिश्यू मास कम होने लगता है।

– कड़वा रस अधिक शरीर में पहुंचता है, तो इसका असर वात रस पर पड़ता है, जिससे ऑयल कम होने लगता है और जोड़ों में अकड़न और दर्द हो सकती है।

– नीम का जूस पीने से स्किन अधिक ड्राई हो जाते हैं और समय से पहले एजिंग के साइन्स नजर आ सकते हैं।

नीम का जूस पीने का सही तरीका

– जब आप नीम का जूस पिएं तो साथ में घी जरुर लें। ऐसा करने से आपकी सभी रुखे हर्ब्स के साथ करना चाहिए ताकि शरीर में ड्राईनेस ने आए।

– रोजाना नीम का जूस 15-30 मिली से ज्यादा न लें।

– एक्सपर्ट के सलाह लेकर ही नीम का जूस पिएं।

पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है यह घरेलू उपाय

पेट में फंसी गैस और ब्लोटिंग से तुरंत राहत पाने के लिए दवाओं की जगह अपनाएं यह असरदार देसी ड्रिंक। नींबू, हींग और काली मिर्च से बना यह घरेलू उपाय सिर्फ 2 मिनट में पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है।

बिजी लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण कई बार हम सभी पेट संबंधित परेशनियों से गुजरना पड़ता है। एसिडिटी, ब्लोटिंग, गैस इन सभी समस्याओं से हम सभी कभी न कभी जरुरत महसूस करते हैं। खाना खाने के बाद अचानक से पेट टाइट हो जाना, डकार न आना या असहज महसूस होना ये सभी डाइजेशन की गड़बड़ी का संकेत होता है। इन परेशनियों के चक्कर में कई लोग तो दवाओं का सेवन करने लग जाते हैं, हर बार दवा लेना भी ठीक नहीं होता है। अब आपकी किचन में ही इसका असान और असरदार इलाज छिपा हुआ है। इस लेख में हम आपको ऐसी देसी ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे है, जो गैस से तुरंत आराम देती है।

गैस दूर करने वाले ड्रिंक की सामग्री

– नींबू का रस- 1/2

– हींग- 1 चुटकी, – काली मिर्च- 1 चुटकी

– गुनगुना पानी- 1/2 कप

गैस के लिए मैजिक ड्रिंक कैसे बनाएं और पिएं?

– इसे बनाने के लिए सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाएं।

– धीरे-धीरे छोटे घूंट में पिएं ।जड़ी-बूटियां और मसाले

– इसे खाने के बाद या जब भी गैस महसूस हो, तब इसका सेवन कर सकते हैं।

ये ड्रिंक कैसे काम करती है?

– यह ड्रिंक फंसी हुई गैस को बाहर निकालती है।

– पेट की सूजन और भारीपन कम करती है।

– डाइजेशन को तुरंत एक्टिव करती है।

ड्रिंक में मौजूद चीजों के फायदे

– गुनगुने पानी के साथ नींबू का रस लेने से ब्लोटिंग की समस्या कम होती है। यह डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता, इसके साथ ही फैट के डाइजेशन को आसान बनाता है और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

– गर्म पानी पीन से ब्लोटिंग के लिए आसान और नेचुरल उपाय है। यह डाइजेशन को बेहतर करता है। यह आंतों की मसल्स को रिलैक्स करता है और गुब्बारे की तरह फूली गैस को बाहर निकालता है।

– आयुर्वेद में हींग को गैस, अपच और ब्लोटिंग के लिए पारंपरिक उपाय है क्योंकि यह पेट में अग्नि को बढ़ाती है। यह एकदम कर्मिनेटिव की तरह काम करता है, डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है और पेट में फंसी गैस से राहत दिलाता है ।छुट्टी, पार्टी वगैरह में इस्तेमाल होने वाले प्रॉडक्ट

– काली मिर्च डाइजेशन को बेहतर बनाती है और ब्लोटिंग को कम करती है। इसमें मौजूद पिपेरिन डाइजेशन एंजाइम्स को बढ़ाता है, प्रोटीन को तोड़ता है और गैस कम करता है।

– इसके साथ ही यह हल्के मूत्रवर्धक की तरह काम करके शरीर में पानी की अतिरिक्त मात्रा को भी कम करता है। इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से आपको पेट में जलन हो सकती है।

गर्मी में इन 5 फलों से बढ़ सकती है हीट और ब्लोटिंग

गर्मियों का मौसम आते ही लोग ताजे और रसीले फलों का सेवन करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फल ऐसे भी होते हैं जो इस मौसम में शरीर को फायदा देने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं? हाल ही में जनरल फिजीशियन डॉक्टर ने जानकारी दी थी की कुछ फलों का सेवन गर्मियों में सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। उनके अनुसार, गर्मी के मौसम में शरीर पहले से ही डिहाइड्रेशन और बढ़ते तापमान से जूझ रहा होता है। ऐसे में अगर गलत फल, गलत समय या जयादा मात्रा में खा लिया जाए तो इससे ब्लोटिंग, एसिडिटी, शुगर बढ़ना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जानें कोन से फल नहीं खाने चाहिए।

गर्मियों में किन फलों से रखें दूरी?

चीकू

चीकू खाना खास तोर पर सभी पसंद होता है। चीकू एक मीठा और स्वादिष्ट फल है, जिसे सही मात्रा में खाने पर शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। पर क्या आप जानते है की चीकू में प्राकृतिक शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। यह फल भारी होता है और अधिक सेवन से ब्लड शुगर बढ़ने और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है।

अनानास

अनानास एक स्वादिष्ट और रसीला फल है, जो गर्मियों में शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है।इसमें विटामिन ष्ट, फाइबर और खास एंजाइम (ब्रोमेलिन) पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। पुर गर्मियों मे ज्यादा अनानास खाने से स्वभाव एसिडिक होता है। इसे ज्यादा खाने से एसिडिटी, पेट में जलन और ब्लोटिंग हो सकती है। कुछ लोगों में यह स्किन से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ा सकता है।

कटहल

कटहल एक पौष्टिक और देसी सुपरफूड माना जाता है। इसका स्वाद जितना अलग होता है, इसके फायदे भी उतने ही खास होते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन ष्ट, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पर कहा जाता है की कटहल एक भारी फल है, जो पचने में समय लेता है। गर्मियों में इसका अधिक सेवन गैस, अपच और पेट फूलने की समस्या पैदा कर सकता है।

आम

आम को 'फलों का राजा' कहा जाता है और यह सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ए सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसानदेह हो सकता है। डॉक्टर के अनुसार, ज्यादा आम खाने से शरीर में गर्मी, शुगर लेवल बढ़ना और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

अंगूर

अंगूर एक छोटा लेकिन बेहद पौष्टिक फल है, जो स्वाद के साथ-साथ शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देता है। इसमें विटामिन सीके, एंटीऑक्सीडेंट्स और नेचुरल शुगर भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन अंगूर में शुगर की मात्रा अधिक होती है। अधिक सेवन से गट में फर्मेंटेशन, गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। साथ ही, ठीक से साफ न करने पर इसमें मौजूद केमिकल्स भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गर्मियों के लिए कौन से फल हैं बेहतर?

डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में ऐसे फलों का चयन करना चाहिए जो शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दें:

तरबूज: लगभग 90% पानी से भरपूर, शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखता है

खरबूजा: पोटैशियम और विटामिन ए से भरपूर, ब्लड प्रेशर संतुलित रखने में मददगार

पपीता: पाचन सुधारने और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

संतरा: विटामिन सी से भरपूर, इम्यूनिटी और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखता है।

गर्मी से बचने के लिए इन चीजें का रखे ध्यान

डॉक्टरों का कहना है कि किसी भी फल को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है, लेकिन मात्रा और समय का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

फल हमेशा सीमित मात्रा में खाएं, खाली पेट ज्यादा मीठे फल खाने से बचें, दिनभर में 1-2 कटोरी फल पर्याप्त हैं और पर्याप्त पानी पीना न भूलें।

गर्मी में सही फल का चुनाव आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है, जबकि गलत आदतें परेशानी बढ़ा सकती हैं। इसलिए इस मौसम में हाइड्रेटिंग और हल्के फल ही अपनी डाइट में शामिल करें और भारी व ज्यादा मीठे फलों का सेवन सीमित रखें।

अच्छी नहीं है बार- बार उंगलियां चटकाने की लत, यह धीरे-धीरे शरीर का कर देती है नुकसान

चाहे आपकी एक उंगली हो या सभी इसे चटकने से आवाज जरूर आती है। बहुत से लोग तो आराम से बैठकर अपनी उंगलियां चटकाने लगते हैं, इससे उन्हें लगता है कि इससे उंगलियों को आराम मिलता है। उंगलियों के चटकने का अध्ययन 60 वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है। उंगलियों चटकने या आवाज़ आने के कई कारण बताए जाते हैं। विशेषज्ञों ने तो इसे समझाने के लिए गणित का भी इस्तेमाल किया है, लेकिन इसका सटीक कारण अज्ञात है।

हालांकि जो लोग बार-बार उंगलियां चटकाते हैं उन्हें सावधान रहने की जरुरत है, ये उनके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है।

उंगलियों चटकने सें क्यों आती है आवाज?

उंगलियों के जोड़ों का चटकना तब होता है जब कोई व्यक्ति किसी जोड़ पर खिंचाव या तनाव डालता है, जिससे जोड़ में चटकने या आवाज आने का एहसास होता है।आमतौर पर दर्द रहित, उंगलियों के जोड़ों का चटकना हानिकारक नहीं है। लेकिन अगर आपकी नसें ऊतकों के ऊपर से फिसलती हैं, तो भी चटकने की आवाज़ आ सकती है। जब आप अपनी उंगलियों के जोड़ों को फैलाते हैं, तो वे फिसलती और समायोजित होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ मांसपेशियों में बदलाव और उनके काम करने के तरीके के कारण ऐसा हो सकता है।

क्या उंगलियां चटकाना आपके लिए नुकसानदायक है?

हो सकता है आपने सुना हो कि उंगलियां चटकाने से गठिया हो सकता है। लेकिन रिसर्च में यह बात साबित नहीं हुई है। डॉक्टर कहते हैं कि- ज़्यादातर लोगों के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित है, इससे गठिया नहीं होता। उंगलियों के जोड़ों को चटकाने से जोड़ों पर इतना ज़ोर नहीं पड़ता कि वे अपनी जगह से हट जाएं या उंगलियों को नुकसान पहुंचे। हालांकि अगर आप बहुत ज़ोर से दबाते हैं या आपको पहले से ही जोड़ों की कोई समस्या है, तो दर्द या खिंचाव हो सकता है।

ये संकेत दिखते ही हो जाएं सतर्क

जोड़ों को चटकाने के बाद दर्द, सूजन या जोड़ों की हरकत में कमी किसी दूसरी समस्या के संकेत हो सकते हैं, न कि जोड़ों को चटकाने की आदत के कारण। अगर जोड़ों को चटकाने से कभी दर्द, अकड़न या सूजन होती है, तो आपको किसी हेल्थ केयर प्रोवाइडर से संपर्क करना चाहिए। अपनी उंगलियों के जोड़ों को चटकाना आमतौर पर नुकसानदायक नहीं होता, लेकिन अगर यह आपकी कोई ऐसी आदत बन गई है जिससे आपको या दूसरों को परेशानी होती है, या अगर आपको जोड़ों से जुड़ी कोई और समस्या है और उंगलियां चटकाने से आपको दर्द, अकड़न, खिंचाव या सूजन महसूस होती है, तो आपको यह आदत छोड़ देनी चाहिए।

इस आदत को छोड़ने के टिप्स

इस बात पर ध्यान दें कि आप कब और क्यों अपनी उंगलियां चटकाते हैं। इस बात की जानकारी होने से आपको अपना व्यवहार बदलने में मदद मिल सकती है। पता लगाएँ कि ऐसी कौन सी चीज़ है जो आपको अपनी उंगलियां चटकाने के लिए उकसाती है। ऐसी कौन सी बात है जो आपको ऐसा करने के लिए प्रेरित करती है। अपने हाथों को व्यस्त रखने के लिए स्ट्रेस बॉल या कोई छोटा फ़िजेट टूल इस्तेमाल करें। उंगलियां चटकाने के बजाय अपनी उंगलियों या कलाइयों को स्ट्रेच करें। एक ही बार में पूरी तरह से छोड़ने के बजाय धीरे-धीरे करके इस आदत को कम करें। कुछ लक्ष्य या सीमाएं तय करें, जैसे कि काम से जुड़ी मीटिंग के दौरान उंगलियां न चटकाना।

एक नजर

क्षेत्रों में जाकर युवाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए जागरूक करेगी टीम

चमोली। उच्च शिक्षा से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पोखरी की पांच टीमें विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार–प्रसार के लिए रवाना हो गई हैं। यह टीमें आसपास के क्षेत्र और इंटर कॉलेज में जाकर महाविद्यालय की उपलब्धियां, शैक्षिक गुणवत्ता, सुविधाओं आदि के बारे में युवाओं व उनके अभिभावकों को जानकारी देंगी। पहली टीम डॉ. प्रवीण मैठाणी के नेतृत्व में जीआईसी भणज व चंद्रनगर पहुंची। दूसरी टीम डॉ. रमानंद उनियाल के नेतृत्व में जीआईसी रडुवा चांदनीखाल व जीआईसी गोदली पहुंची, तीसरी टीम डॉ. जगजीत सिंह के नेतृत्व में जीआईसी आली व देवीखेत गई जबकि चौथी टीम डॉ. आयुष बर्त्वाल के नेतृत्व में जीआईसी खाल सरमोला क्षेत्र में गई। पांचवीं टीम डॉ. एके श्रीवास्तव के नेतृत्व में जीआईसी पोगठा और घिमतोली व अन्य क्षेत्रों में गई। प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा ने बताया कि सभी टीमों को प्रचार सामग्री उपलब्ध कराई गई है। महाविद्यालय का प्रयास है कि हर पात्र विद्यार्थी उच्च शिक्षा से जुड़े और समाज निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

चमोली जिले में तकनीशियनों की कमी, 24 घंटे ड्यूटी करनी पड़ रही

चमोली। चमोली जिले के सरकारी अस्पतालों में तकनीशियनों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। जिला अस्पताल गोपेश्वर में स्वीकृत सात पदों के मुकाबले केवल तीन तकनीशियन ही और उन पर काम का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। उन्हें 24 घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ रही है। यही स्थिति अल्ट्रासाउंड की भी है। जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती भी नहीं है। अस्पताल के सीएमएस ने कई वर्षों से अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन कर रहे हैं। कार्य की अधिकता के कारण वे प्रशासनिक कार्यों तक को समय नहीं दे पा रहे हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी में तकनीशियनों के सभी पद खाली हैं। यहां एक्सरे करने के लिए उपजिला अस्पताल कर्णप्रयाग से एक तकनीशियन को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वह सप्ताह में तीन दिन पोखरी में सेवाएं देंगे। सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि हमारे पास तकनीशियनों की कमी है। निदेशालय को भी इस संबंध में लिखा गया है। व्यवस्था बनाने के लिए सीमित कर्मचारियों से ही कार्य लिया जा रहा है।

सीईओ ने कार्यभार किया ग्रहण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रुद्रप्रयाग। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगण ने बदरीनाथ धाम में कार्यभार ग्रहण किया और व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर समिति कार्यालय, दर्शन व्यवस्था, पूजा काउंटर, दर्शन पंक्ति, प्रोटोकॉल व्यवस्था का निरीक्षण किया व तीर्थयात्रियों से फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि अभी तक दो लाख 26 हजार 535 तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। बुधवार देर शाम मुख्य कार्याधिकारी गुप्तकाशी पहुंचे। इसके बाद उन्होंने केदारनाथ पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए और यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बीकेटीसी सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती, अधिशासी अभियंता विपिन तिवारी, प्रभारी अधिकारी डीएस भुजवाण, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप भट्ट, सहायक लेखाकार प्रमोद बगवाड़ी, प्रबंधक अरविंद शुक्ला, प्रोटोकॉल प्रभारी दीपक पंवार आदि मौजूद रहे।

सूफी गायक कैलाश खेर ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। सूफी भजन गायक कैलाश खेर ने बृहस्पतिवार सुबह भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। उन्होंने धाम में विधिवत पूजा–अर्चना कर भगवान केदारनाथ का आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति ने सूफी गायक को भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया। कैलाश खेर ने कहा कि उन्हें भगवान केदारनाथ के दर्शन का सौभाग्य मिला। इस दौरान उन्होंने भक्तों साथ भजन भी गाए। उन्होंने यात्रा व्यवस्थाओं की सराहना की। साथ ही धाम में तीर्थयात्रियों व तीर्थपुरोहितों से भी बात की। इस अवसर पर बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगण, सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती, उमेश पोस्ती, संतोष त्रिवेदी, पुजारी टी गंगाधर लिंग, किशन त्रिवेदी, डॉ. हरीश गौड़ और दीपक पंवार आदि मौजूद रहे।

उखड़ी सड़क पर बिछी गिट्टियां ले रहीं राहगीरों की परीक्षा

नई टिहरी। जनपद मुख्यालय से सटे बोंगा–भैलुड़ा मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य करीब एक माह से बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना विभाग की ओर से सड़क का पुराना डामर उखाड़कर उसके नए डामरीकरण के लिए गिट्टियां व रोड़ियां बिछाकर छोड़ दिया गया है। इससे आए दिन दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। जल्द ही सड़क कार्य शुरू नहीं होता तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। बोंगा ग्राम पंचायत की वार्ड सदस्य अलका मिश्रा ने बताया कि पीएमजीएसवाई की ओर से गत एक वर्ष से पांच किमी लंबी बोंगा–भैलुड़ा रोड पर करीब चार करोड़ की लागत से चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है लेकिन कहीं पर भी मानकों के अनुरूप चौड़ीकरण कार्य नहीं हुआ तो डामरीकरण के लिए सड़क पर पुराना डामर उठाकर वहां पर जी टू और जी थ्री का कार्य अधर में छोड़ दिया है। सड़क पर पड़ी रोड़ियों और गिट्टियों को रोलर से दबाने की बजाय वैसी छोड़ दिया गया है। करीब एक माह से कार्य बंद होने के कारण वहां पर इन रोड़ियों के बीच से आवाजाही करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बरसात में आया मलबा अभी तक नहीं हटा

चमोली। बदरीनाथ हाईवे के पास उत्तरों में आया मलबा अभी तक नहीं हटाया गया है। पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी ने बताया कि बीते बरसात में पहाड़ी से भूस्खलन से मलबा हाईवे पर आ गया था। एनएचआईडीसीएल से लगातार मांग के बाद भी यह मलबा नहीं हटाया गया। चारधाम यात्रा शुरू होने पर अब यहां वाहनों का जाम लग रहा है। कैलाश खंडूड़ी ने अपर जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए मामले में कार्रवाई करने और जल्द मलबा उठाने की मांग की है।

कोटद्वार स्टेडियम की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिलाधिकारी द्वारा शशिधर भट्ट खेल स्टेडियम, कोटद्वार का विस्तृत एवं गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टेडियम परिसर में खेल सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, निर्माण कार्यों, हॉस्टल एवं खिलाड़ियों को उपलब्ध संसाधनों का बारीकी से जायजा लिया गया। इस दौरान विभिन्न कमियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पीआरडी कार्मिकों की जानकारी ली तथा स्टेडियम में मल्टीपर्पज कार्मिकों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए, जिससे व्यवस्थाओं का बेहतर संचालन हो सके। बॉक्सिंग हॉल एवं टीटी हॉल का अवलोकन करते हुए उन्होंने पाया कि फ्लोरिंग, दीवारों एवं जालियों की स्थिति ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने जिला खेल अधिकारी को शीघ्र डीपीआर तैयार कर मरम्मत कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। स्टेडियम परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित स्वच्छता कर्मचारी को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एक सप्ताह के भीतर समुचित स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए उपजिलाधिकारी को पंद्रह दिन बाद पुनः निरीक्षण कर स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि स्थिति में सुधार नहीं पाया गया तो संबंधित टेंडर निरस्त कर दिया जाएगा। हॉस्टल एवं डाइनिंग हॉल का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने साफ-सफाई की खराब स्थिति पर हॉस्टल वार्डन का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। हॉस्टल में नियमित सफाई सुनिश्चित करने, खिड़कियों के शीशे ठीक कराने तथा जहां आवश्यक हो वहां जालियां लगाने को कहा गया। गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक कमरे में कूलर लगाने हेतु धनराशि जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। कैंटीन में गंदगी पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। खेल सुविधाओं के अंतर्गत वॉलीबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट एवं हॉकी मैदान का निरीक्षण किया गया। बैडमिंटन कोर्ट में टूट-फूट एवं वेंटिलेशन की कमी पाए जाने पर मरम्मत एवं सुधार के निर्देश दिए गए। मरम्मत कार्यों के लिए कोचों की समिति बनाकर एस्टीमेट तैयार करने को कहा गया। वॉलीबॉल कोर्ट की मरम्मत तथा हॉकी मैदान के रख-रखाव के निर्देश भी दिए गए। साथ ही स्टेडियम के समुचित रख-रखाव हेतु ग्रास कटर एवं स्प्रिंकलर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण कर कोच की नियुक्ति तथा क्रिकेट कोच की भी नियुक्ति करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में क्रिकेट तथा बास्केटबॉल का प्रशिक्षण भी शीघ्र शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला खनिज न्यास अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता तथा ठेकेदार से वार्ता करते हुए मरम्मत एवं निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निर्माणदायी संस्था आरडब्ल्यूडी के इंजीनियर को भी निर्देशित किया गया कि कार्यों की नियमित एवं गुणवत्ता युक्त जांच सुनिश्चित करें। निरीक्षण में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई, जिस पर ठेकेदार ने अगले दिन से कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिलाधिकारी ने खेल अधिकारी को निर्देश दिए कि स्टेडियम के रेनोवेशन हेतु मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित किया जाए। उन्होंने अवगत कराया कि डीएमएफ के तहत इंटरलॉकिंग टाइल्स, ड्रेनेज एवं गेट निर्माण का कार्य प्रगति पर है, जिसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेडियम के समीप स्थित ट्रेंचिंग जोन के कारण परिसर में कूड़ा आने की समस्या पर खेल अधिकारी द्वारा अवगत कराए जाने पर जिलाधिकारी ने 'व्यू कटर' लगाने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा ओपन जिम, शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। इस दौरान छात्रावास में रहने वाले खिलाड़ियों से संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उनके भोजन, पढ़ाई, पुस्तकें आदि सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि स्टेडियम में शिकायत पंजिका अनिवार्य रूप से बनाई जाए, ताकि खिलाड़ियों को किसी भी समस्या के समाधान के लिए एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध हो सके। साथ ही उपजिलाधिकारी को प्रत्येक माह निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल की व्यायामशाला का निरीक्षण किया। व्यायामशाला की स्थिति अत्यंत खराब पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जतायी। व्यायामशाला के प्रशिक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि नयी व्यायामशाला के निर्माण हेतु प्रस्ताव पूर्व में प्रस्तुत किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रस्ताव पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए इसे और सुदृढ़ एवं आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने व्यायामशाला में नए जिम्नेजियम हॉल, पेयजल, शौचालय, ऑफिस कक्ष, रेलिंग सहित आगणन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही सफाई व्यवस्था में सुधार कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्टेडियम एवं व्यायामशाला की व्यवस्थाओं में त्वरित सुधार सुनिश्चित करते हुए खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं, ताकि खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, अधिशासी अभियंता आरडब्ल्यूडी श्रीपति डोभाल, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयबीर सिंह रावत, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र फोनिया, प्रभारी तहसीलदार राजेंद्र सनवाल सहित अन्य अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

टवल्थ नाईट नाटक का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. पिताम्बर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में टवल्थ नाईट के उपलक्ष्य में अंग्रेजी विभाग द्वारा टवल्थ नाईट नाटक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. एस. नेगी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अँग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा सिंह द्वारा नाटक की थीम का परिचय प्रस्तुत करते हुए किया गया। उन्होंने नाटक के प्रमुख विचारों एवं साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात छात्र–छात्राओं द्वारा टवल्थ नाईट का मंचन किया गया, जिसमें कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से सभी को प्रभावित किया। नाटक में ड्यूक ऑर्सिनो की भूमिका अमन जखमोला, वायोला की भूमिका साक्षी असवाल, ओलिविया की भूमिका साक्षी पंथवाल, मालवोलियो की भूमिका नवीन बिष्ट, मारिया की भूमिका आयुश्री, सेबेस्टियन की भूमिका मानशी, क्यूरियो की भूमिका संगीता, सर टोबी की भूमिका आरुषि, कैप्टन की भूमिका ज्योति तथा एंटोनियो की भूमिका मानसविनी द्वारा निभाई गई।

नाटक के नैरेटर हितेश जोशी रहे तथा स्क्रिप्ट लेखन का कार्य कीर्ति द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की । विद्यार्थियों ने विषय को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे सभी उपस्थित लोग प्रभावित हुए।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. डी. एस. नेगी ने सभी प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित गौर द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

लोगों को गर्मी से मिली राहत

श्रीनगर गढ़वाल : बृहस्पतिवार को मौसम ने अचानक करवट बदली और दोपहर दो बजे के बाद काले बादल छा गए। इससे दिन में ही अंधेरे जैसा अहसास होने लगा। बाजारों में दुकानदारों और वाहन चालकों को लाइटें जलानी पड़ीं। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई हल्का बूंदाबांदी ने लोगों को गर्मी से राहत दी। नगर में सुबह से ही धूप और उमस का माहौल था लेकिन दोपहर दो बजे के करीब अचानक छाए काले बादलों ने पूरे आसमान को घेर लिया। वहीं धूल भरी तेज हवाओं के बाद क्षेत्र में बारिश हुई। (एजेंसी)

एनआईटी छात्र का मिला शव

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा नदी में नहाने के दौरान लापता हुए एनआईटी के बीटेक छात्र का शव गुरूवार सुबह रेस्क्यू टीम को घटनास्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर मिला। मूल रूप से तेलंगाना निवासी आनंद सोहन, एनआईटी श्रीनगर में बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र था।

26 अप्रैल की शाम वह अलकनंदा नदी में नहाने गया था और नहाते समय नदी की तेज धारा में बह गया। तब से पुलिस, जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थीं।

अलकनंदा में मिले शव का खुलासा: क्षेत्र पंचायत सदस्य ने की थी हत्या

चमोली। नदी से मिले एक शव के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पहले व्यक्ति की हत्या की। जिसके बाद उसे हाथ–पैर बांधकर गाड़ी में रखकर नदी में फेंक दिया। साथ ही उसका सामान और मोबाइल फोन भी नदी में फेंक दिया। आरोपी व्यक्ति क्षेत्र पंचायत सदस्य भी है। बृहस्पतिवार को चमोली पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कोतवाली में प्रेस वार्ता आयोजित की। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि 10 मार्च को लंगासू में अलकनंदा नदी के किनारे स्थानीय लोगों को एक शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखा। 24 मार्च को मृतक की पत्नी ने कोतवाली में हत्या के मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने व्यक्ति के फोन पर कॉल डिटेल निकाली। तो उसका अंतिम लोकेशन नंदप्रयाग पाया गया। जांच में पुलिस को पता लगा कि मृतक वहां एक ढाबे में काम करता था। आरोपी नरेंद्र तोपाल ने मृतक से जनवरी माह में 10 हजार रुपये उधार लिए थे। मृतक शराब का सेवन करने के बाद सार्वजनिक स्थानों पर उसे उधारी के लिए अपशब्द कहकर अपमानित करता था। ऐसे में मृतक को सबक सिखाने के लिए उसने 16 फरवरी को उसकी हत्या कर दी।

सेमी ग्वाड़–देवतोली में दो दिन बाद बहाल हुई आपूर्ति

चमोली। तहसील जिलासू के अंतर्गत देवतोली और सेमी ग्वाड़ में दो दिन बाद पेयजल आपूर्ति बहाल हुई तो ग्रामीणों ने चैन की सांस ली। जल संस्थान ने घटगाड़ गदेरे से आने वाली पेयजल लाइन को सेमी ग्वाड़ पेयजल लाइन से जोड़ा जिससे पेयजल आपूर्ति बहाल हुई। बीते मंगलवार से सेमी ग्वाड़ और देवतोली क्षेत्र के कई घरों में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही थी। जल संस्थान के अधिकारियों के अनुसार गलनाऊं गदेरे में स्थित स्रोत का पानी बहुत कम हो गया था। देवतोली में सिंचाई विभाग के पास स्थित टैंक में कालेश्वर पंपिंग से पानी की सप्लाई की जा रही है लेकिन गलनाऊं पेयजल लाइन में पानी कम होने से सेमी ग्वाड़ के ऊपर स्थित टैंक में पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इस कारण यहां पानी की समस्या बनी हुई थी। अब जल संस्थान ने घटगाड़ गदेरे की पेयजल लाइन को सेमी ग्वाड़ वाली पेयजल लाइन से जोड़ दिया है। अब दोनों गांवों में पेयजल आपूर्ति बहाल हो गई। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित का कहना है कि फिलहाल दोनों इलाकों के लिए घटगाड़ गदेरे की लाइन से जोड़ा गया है। जब तक स्रोत पर पानी रहेगा तब तक पेयजल आपूर्ति इसी लाइन से की जाएगी।

10 हेक्टेयर भूमि के लिए मंडुवा के बीज बांटे

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत कृषि विभाग रुद्रप्रयाग के न्याय पंचायत पाजना के कुनियाली गांव में बृहस्पतिवार को 10 हेक्टेयर भूमि के लिए मंडुवा के बीज निशुल्क दिए गए। पहाड़ में मोटा अनाज पारंपरिक रूप से निरंतर उगाया जाता रहा है लेकिन पारंपरिक बीज की बुवाई के कारण उत्पादन की मात्रा बहुत कम हो गई। अब विवेकानंद पर्वतीय अनुसंधान केंद्र की ओर से तैयार बीज वीएल 379 प्रजाति को किसानों को बांटा गया है। इसकी उत्पादन क्षमता प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल है। किसानों ने कहा कि सरकार ने मोटे अनाज मंडुवा का समर्थन मूल्य करीब 49 रूपये घोषित किया है और स्थानीय सहकारी समितियां इस मंडुवा की खरीद कर रही है। इस अवसर कृषि विभाग के कर्मचारी कुलदीप सिंह ने मंडुवा की फसल की पैदावार को बढ़ाने के उपाय भी बताए।

बूढ़ाकेदार–कमद सड़क पर छह माह बाद भी नहीं भरे आपदा के जख्म

नई टिहरी। उत्तरकाशी जिले की गाजणा पट्टी और टिहरी जिले के बूढ़ाकेदार क्षेत्र को जोड़ने वाला बूढ़ाकेदार–अयांरकाखाल–कमद मोटर मार्ग आपदा के जख्मों से नहीं उबर पाया है। बीते अगस्त– सितंबर में आपदा से सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन तब से छह माह का समय बीतने के बावजूद मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाया है। आपदा के दौरान अयांरकाखाल से कमद के बीच कई स्थानों पर सड़क के पुश्ते पूरी तरह ध्वस्त हो चुके थे। सड़क किनारे सुरक्षा दीवारें टूट गई है। संवेदनशील स्थानों पर लोनिवि की ओर से कोई वैकल्पिक सुरक्षा इंतजाम भी नहीं किए गए हैं। चेतावनी संकेत भी नहीं लगाए गए हैं और न ही अस्थायी बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। यह मार्ग गंगोत्री से केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी है। इन दिनों चल रहे यात्रा सीजन के दौरान प्रतिदिन हजारों यात्री इसी मार्ग से आवाजाही कर रहे हैं लेकिन बदहाल सड़क और टूटी सुरक्षा दीवारों के बीच उन्हें जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य गंगा सिंह बिष्ट का कहना है कि आपदा के बाद से ही लगातार सड़क की मरम्मत और सुरक्षा इंतजाम की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। लोनिवि घनसाली के ईई दिनेश चंद्र नौटियाल ने बताया कि बूढ़ाकेदार–अयांरकाखाल–कमद सड़क की दीवारें आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई थीं।

खराब मौसम होने से तीन घंटे तक बाधित रही हेली सेवा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के लिए हेलिकॉप्टर सेवा बृहस्पतिवार को मौसम खराब होने से बाधित रही। दोपहर बाद अचानक मौसम बिगड़ने से करीब तीन घंटे तक उड़ानें बंद रहीं। इससे हेली सेवा से धाम जाने वाले यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। बृहस्पतिवार को सुबह मौसम सामान्य रहने से विभिन्न कंपनियों के हेलिकॉप्टर तय समय से उड़ान भरते रहे। दोपहर तक संचालन सुचारु रहा लेकिन इसके बाद जनपद के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई। केदारघाटी में घने बादल छा जाने और दृश्यता कम होने से उड़ान रोक दी गई। दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक सभी कंपनियों के हेलिकॉप्टर हेलिपैड पर ही खड़े रहे। यात्री मौसम साफ होने की उम्मीद में देर शाम तक इंतजार करते रहे। कई यात्रियों ने मौसम खुलने की आस में हेलिपैड परिसर में ही समय बिताया। इधर मौसम में सुधार न होने पर कुछ यात्रियों के टिकट भी निरस्त किए गए। लगातार दूसरे दिन हेली सेवा प्रभावित रहने से यात्रियों की चिंता बढ़ी रही। हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि मौसम खराब होने के कारण उड़ानों पर असर पड़ा है। मौसम सामान्य होते ही सेवाएं फिर नियमित कर दी जाएंगी।

गैस एजेंसियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग

रुद्रप्रयाग। एलपीजी घरेलू गैस सिलिंडरों के वितरण की व्यवस्था सुधारने की मांग के लिए तीर्थपुरोहित शंकर प्रसाद तिवारी ने जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी ऊखीमठ को पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि केदार घाटी में यह व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। गैस एजेंसी ऊखीमठ क्षेत्र में किसी भी समय कही भी सिलिंडरों का वितरण कर दिया जा रहा है। कुछ उपभोक्ता अपने दो–दो सिलिंडर भरवा चुके हैं और अधिकांश उपभोक्ताओं को एक भी सिलिंडर नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि गुप्तकाशी, लमगौंडी, नागजगई, फाटा, गौरीकुंड व बसुकेदार व आसपास के क्षेत्रों में भी लोग परेशान हैं।

जिला न्यायाधीश ने विधिक सेवा वाहन किया रवाना

रुद्रप्रयाग। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल की ओर से जिले को निशुल्क विधिक सेवा वाहन मिला है। यह वाहन जिले में न्याय को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। बृहस्पतिवार को जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष नीना अग्रवाल ने पूजा–अर्चना के बाद न्याय रथ को वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वाहन न्याय चला निर्धन के द्वार की संकल्पना के साथ जनपद के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक पहुंचेगा। वहीं इसके माध्यम से लोगों को निशुल्क विधिक सहायता, विधिक परामर्श, विधिक जागरूकता तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी कराई दी जाएगी। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी, न्यायिक मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ सिविल जज विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

खस्ताहाल स्यांयू–भैंगा–चौंधार मार्ग के सुधार को मिली मंजूरी

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद खस्ताहाल स्यांयू–भैंगा–चौंधार मोटर मार्ग पर पैचवर्क कार्य के लिए वित्तीय स्वीकृति मिल गई। लोनिवि उक्त सड़क पर एक से लेकर 10 किमी तक पैचवर्क कार्य करेगा। 10 लाख से सड़क पर मरम्मत कार्य किया जाना है। पैचवर्क कार्य होने से स्थानीय लोगों को सुगम यातायात की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है।

स्यांयू–भैंगा–चौंधार सड़क प्रतापनगर ब्लॉक के दर्जनों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। पिछले दो सालों से यह सड़क जर्जर बनी है। डामरीकरण उखड़ जाने से जगह–जगह गड्ढे बने हुए है। कुछ जगहों पर सड़क की सुरक्षा दीवार भी क्षतिग्रस्त है जिससे लोगों को जोखिमभरा सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा था। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क मरम्मत की मांग करते आ रहे थे। पैचवर्क करने के लिए लोनिवि के अधिकारियों पर दबाव बनाए थे। अब जाकर स्यांयू–भैंगा–चौंधार मोटर मार्ग पर किमी एक से लेकर 10 के बीच पेचवर्क करने की स्वीकृति मिल गई है।

लोनिवि के ईई योगेश कुमार ने बताया कि उक्त सड़क पर पेचवर्क कार्य करने के लिए 10 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर मई अंतिम सप्ताह में कार्य शुरू किया जाएगा।

पलायन रोकथाम योजना के तहत 78 गांवों में बढ़ाए जा रहे रोजगार के अवसर

अल्मोड़ा। जनपद में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के तहत पलायन प्रभावित गांवों में आजीविका सृजन और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से योजना की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। परियोजना निदेशक डीआरडीए के एन तिवारी ने बताया कि वर्ष 2020–21 से संचालित योजना के अंतर्गत राज्य पलायन निवारण आयोग ने जिले के आठ विकासखंडों के 78 राजस्व ग्रामों को चिन्हित किया है। इन गांवों में विशेष विकास कार्य कराए जा रहे हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराकर पलायन की प्रवृत्ति को कम करना है। उन्होंने बताया कि आजीविका केंद्र स्थापना, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, सौर लाइट, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, खेल मैदान निर्माण, पुस्तकालय स्थापना, ईको पार्क, जैविक खेती, सब्जी क्लस्टर विकास और जड़ी–बूटी संवर्धन जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पॉलीहाउस और मशरूम उत्पादन, बकरी और मुर्गी पालन, डेयरी विकास, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्स जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा है।

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 29 मैच हुए हैं इसमें से राजस्थान ने 15 जबकि दिल्ली ने 14 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्र पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा, शुभम दुबे, ।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

अभिषेक ऑरेंज कैप और ईशान मलिंगा पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव आया है। अब एक बार फिर सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक आ गये हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। अभिषेक ने मुम्बई के खिलाफ मैच में 24 गेंदों में 45 रन बनाये। इससे अब उनके कुल 425 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेनरिक क्लासेन 414 रनों के साथ ही दूसरे और राजस्थान के वैभव 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल चौथे और विराट कोहली पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए सनराइजर्स के ईशान मलिंगा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। ईशान ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ ईशान ने एक विकेट लिया था। वहीं आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज तीनो ही 14-14 विकेट के साथ ही दसरे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हहैं। इसके बाद 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

केविन पीटरसन की दक्षिण अफ्रीका को अपील, 2027 विश्व कप के लिए इस प्लेयर को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अपने घरेलू मैदान पर ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतने की कोशिश में हेनरिक क्लासेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। क्लासेन ने पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक वह इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 पारियों में 59.14 की औसत और 157.41 के स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं।

गुरुवार को X पर लिखते हुए पीटर्सन ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका ने कभी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है! आज सुबह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड की तरफ से हेनरिक क्लासेन को एक फोन कॉल जाना चाहिए, जिसमें उनसे पूछा जाए कि क्या वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और अपना पहला वर्ल्ड कप जीतने के अभियान में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका में ही होगा।'

क्लासेन का अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट वापस लेना, हालांकि यह पूरी तरह से उन्हीं पर निर्भर करता है, लेकिन यह पूरी तरह से असंभव भी नहीं है; क्योंकि पिछले साल विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने भी इस साल के टी20 वर्ल्ड कप 2026 और 2027 के घरेलू वर्ल्ड कप में खेलने के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया था और तब से उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं।

क्लासेन ने 2018-25 तक फैले अपने सात साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 122 मैचों में 32.45 की औसत और 117.40 के स्ट्राइक रेट से 3,245 रन बनाए, जिसमें चार शतक, 16 अर्धशतक और 174 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। हालांकि उनका टेस्ट करियर छोटा रहा जिसमें उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ़ 104 रन बनाए लेकिन क्लासेन प्रोटियाज के लिए एक मूल्यवान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर साबित हुए। उन्होंने 60 वनडे मैचों में 43.69 की औसत और 117 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2141 रन बनाए। इसमें चार शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं और 56 पारियों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 174 रन रहा। टी20आई में उन्होंने 58 मैचों की 53 पारियों में 23.25 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,000 रन बनाए। इसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 81 रन रहा।

मुम्बई को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस आईपीएल के 19 में सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसे 8 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे मुम्बई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी कम हो गयी हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई है। प्लेऑफ के लिए अब मुम्बई को बचे हुए सभी 6 मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वह सफल रही तो उसे उसके 16 अंक हो जाएंगे और उसके लिए प्लेऑफ की राह खुली रहेगी। अभी टीम 4 अंक के साथ ही 9वें स्थान पर है। टीम को लीग स्तर पर अभी 6 मैच और खेलने है। उसका रेट में भी काफी कम है जिससे

भी उसे नुकसान हुआ है। उसे इस सत्र में प्लेऑफ के लिए अब कम से कम 14 अंकों की जरूरत है। इसके अलावा उसे अपने रनरेट में भी सुधार करना होगा।

ऐसे में टीम अगर शेष 6 मैचों में से 5 भी जीतती है तो भी उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं अगर वह केवल 4 मैच जीतती है और दो में हारती है तो बाहर हो जाएगी। इस सत्र में अब तक जिस प्रकार से मुम्बई का प्रदर्शन रहा है उससे उसके लगातार मैच जीतने की संभावनाएं कम ही हैं। गत दिवस हुए मैच में उसे 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी। टीम की हार का कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। जिससे टीम नीचे आयी है।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही

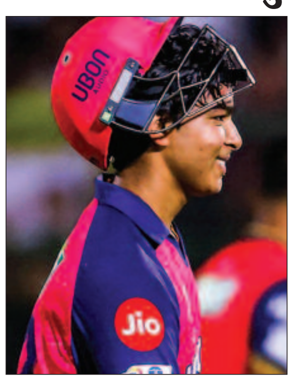

उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है।

वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं।

वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

बीसीसीआई ने रियान पराग पर ई-सिगरेट सेवन के लिए जुर्माना लगाया

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) का सेवन करना भारी पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे आचारसंहित का उल्लंघन मानते हुए ' स्मोकिंग एक्ट के तहत ही पराग पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है । इसके अलावा उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है । इससे पहले बोर्ड ने उन्हें नोटिस भेजा था । उन पर खिलाड़ी आचार संहित के नियम 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया गया है । जो आचारसंहित का के पालन से जुड़ा है । पराग को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए देखा गया था । इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था । इसके बाद से ही वह आलोचना का शिकार हो रहे थे । वहीं बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था । पराग ने इस मामले में जुर्माना भरना स्वीकार कर लिया है । ऐसे में अब इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं होगी । ये दूसरी बार है जब रॉयल्स विवादों में आई है । इससे पहले टीम मैनेजर को भी डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते देखा गया था ।

38 के हुए रोहित को जन्मदिन पर मिली बधाई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहत शर्मा आज 38 साल के हो गये । जन्मदिन पर रोहित को साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है । रोहित ने अपना 38वां जन्मदिन जयपुर के होटल में अपने परिवार और मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथियों के साथ मनाया । रोहित ने अपने करियर में कई सफलताएं हासिल की हैं । उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैम्पियसं ट्रॉफी और टी20 विश्कप जीत है । मैदान पर छाये रहने वाले रोहित ने अपने क्रिकेटिंग करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं । खेल के साथ ही वह धन कमाने में भी पीछे नहीं रहे हैं । रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक हैं । एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 233 करोड़ रुपये के करीब है । आजकल वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं पर उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आई है । उनकी आय का मुख्य स्रोत बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से मिलने वाली मोटी रकम और कई बड़े ब्रांड से जुड़े होना है । रोहित लंबे समय तक बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में शीर्ष पर रहे हैं । उन्हें आईपीएल सीजन में उन्हें सालाना 16.30 करोड़ रुपये मिलते हैं । उन्होंने अब तक सिर्फ आईपीएल से ही 195 करोड़ रुपये कमाए हैं । इसके अलावा वह 25 से अधिक बड़े ब्रांड्स के लिए वे एंडोर्समेंट करते हैं । उनका मुंबई के पॉश वरली इलाके में एक घर है । उनके पास लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें भी है । इसमें पसंदीदा लेम्बोर्गिनी उरुस के साथ ही मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, बीएमडब्ल्यू एम-5, रेंज रोवर, टोयोटा फॉर्च्यूनर और टेस्ला मॉडल वाई जैसी शानदार गाड़ियां शामिल हैं ।

आईपीएल में बड़े स्कोर वाले मुकाबलों को मुरलीधरन ने खेल की जरुरत बताया, पिच पर भी उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बल्लेबाजों का दबदबा जारी है, जहां लगातार बड़े स्कोर बन रहे हैं और असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी आसानी से हासिल किए जा रहे हैं उससे कई सवाल भी उठा रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 244 रनों का विशाल लक्ष्य जिस सहजता से पीछा किया, उसने एक बार फिर बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों पर बहस छेड़ दी है। इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का भी महंगा साबित होना चिंता का विषय बन गया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या खेल में गेंदबाजों के लिए कुछ बचा है या नहीं।

वहीं इस मुद्दे पर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि अगर संतुलित विकेट मुहैया कराए जाएंगे, तो दर्शकों के लिए मैच मजेदार नहीं

होंगे। मुरलीधरन के अनुसार, टी20 क्रिकेट की पहचान ही चौके-छक्के हैं और प्रशंसक यही देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीएल एक बहुत बड़ा बिजनेस है और यदि मैचों में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों और प्रायोजकों दोनों की इसमें रुचि कम होने लगेगी, जिसका सीधा असर लीग की लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा।

मुरलीधरन ने बाउंड्री लाइन बढ़ाने जैसे सुझावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उनका मानना है कि जब बल्लेबाज बिना किसी डर के खुलकर आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करते हैं, तो गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना या रनों पर अंकुश लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। पूर्व दिग्गज स्पिनर ने यह भी दावा किया कि आक्रामक बल्लेबाजी का यह ट्रेंड सनराइजर्स हैदराबाद ने ही सबसे पहले शुरू किया था, जिसे अब बाकी टीमें भी अपना रही हैं।

मुरलीधरन ने बताया कि खेल में आए इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण पावरप्ले में बनने वाले रनों में देखी जा सकती है। जहां पहले पावरप्ले में 40-50 रन को एक अच्छा स्कोर माना जाता था, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 70-80 रन तक पहुंच गया है। आज के बल्लेबाज विकेट खोने की चिंता किए बिना सिर्फ रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे गेंदबाजों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है।

मार्टा ने नोस्कोवा को हराकर मैड्रिड ओपन सेमीफाइनल में जगह बनायी

मैड्रिड । यूक्रेन की महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टा कोस्त्युक मैड्रिड ओपन में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में जगह बनायी है । मार्टा ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में 7-6(1), 6-0 से हराया । अब फाइनल में जगह बनाने के लिए मार्टा की टक्कर अनास्तासिया पोटापोवा से होगी ।पहले सेट में मार्टा और नोस्कोवा दोनों खिलाड़ियों को ही कड़ा संघर्ष करना पड़ा । मार्टा ने निर्णायक टाई-ब्रेक में 7-1 से जीत हासिल कर ली । वहीं दूसरे सेट में मार्टा हावी रहीं । उन्होंने यह सेट 6-0 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया । वहीं अनास्तासिया पोटापोवा और मार्टा का डब्ल्यूटीए टूर पर रिकॉर्ड 2-2 का है पर उन्होंने अपने पिछले दो मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में हुआ मैच भी शामिल है । वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट के बीच मुकाबला होगा । मार्टा के लिए यह सत्र विशेष रहा है । मैड्रिड में वह एक भी सेट नहीं हारी हैं । वहीं राउंड ऑफ 32 में उसे जेसिका पेगुला पर बड़ी जीत मिली । है । जीत के बाद मार्टा उत्साहित होते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय लगता है ।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में एटलेटिको और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026 में पहला लेग 1-1 से ड्रा रहा । स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला गया यह मैच पेनल्टी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) के फैसलों के कारण विवादों में रहा, जिसने अंतिम टिकट कटाने के लिए लंदन में होने वाले अगले सप्ताह के दूसरे लेग को और भी अम बना दिया है । आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से आने के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का अवसर नहीं मिला । इस मुकाबले में दोनो ही टीमें शुरुआत से ही सतर्क नजर आईं, किसी भी गलती से बचने के प्रयास करती रहीं । एटलेटिको ने अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत की । पहला हाफ समाप्त होने से ठीक पहले, आर्सेनल को बढ़त मिली । । बॉक्स के अंदर विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको द्वारा धक्का दिए जाने के बाद रेफरी ने उसे पेनल्टी दी जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदलकर आर्सेनल को 1-0 कीबढ़त दिला दी । वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको मैड्रिड ने अच्छी वापसी की । 56वें मिनट में, बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद एटलेटिको को पेनल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में जूलियन अल्वारेज ने कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-1 पर पहुंचा दिया । 78वें मिनट में फाउल के कारण आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद थी पर वीएकआरे ने रेफरी के शुरुआती फैसले को पलट दिया, जिससे आर्सेनल को निराशा हुई । इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं । दोनों टीमें अब अगले सप्ताह लंदन में होने वाले दूसरे लेग में उतरेंगी ।

थॉमस कप फाइनल्स : क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारत थॉमस कप फइनल्स के क्वार्टर फइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर

छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं।

युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप की अपनी बेहतरीन लय को यहां भी बरकरार रखा है। उस चैंपियनशिप में वह उपविजेता रहे थे। यहां उन्होंने अपने तीनों मैच जीते हैं।

भारत के दो अनुभवी खिलाड़ियों एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत ने तीसरे एकल मुकाबले की जिम्मेदारी आपस में बांटी है। बुधवार को खेले गए मैच में श्रीकांत ने चीन के लू गुआंग झू के खिलाफपिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। प्रणय ने 2022 में भारत की खिताबी जीत के दौरान भी ऐसी ही भूमिका निभाई थी। ऑल इंग्लैंड के फइनल में जगह बनाने वाले लक्ष्य सेन भले ही तीन गेम वाले दो रोमांचक मुकाबले हार गए हों लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

अब जब उनका मुकाबला नाराओका से होगा तो भारत की जीत काफी हद तक उन्हीं पर निर्भर करेगी। वह जापान के इस प्रतिद्वंद्वी से छह बार हार चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने अपने शुरुआती दो मैच जीते,लेकिन उसके बाद वे चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से करीबी मुकाबले में हार गए। सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था और उम्मीद है कि यह करीबी मुकाबला उन्हें नॉकआउट चरण से पहले तैयारी में मदद करेगा। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की दूसरी युगल जोड़ी ने भी अब तक अपने तीन में से दो मैच जीते हैं और वे भारत को सेमीफइनल तक पहुंचाने में मदद करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा भारत ने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक भी जीते हैं।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है । पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है । वहीं दूसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रॉयल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है । गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है ।